देश का Darpan News TV
FW FASTWAY
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web : www.deshkadarpannews.com

वर्ष-5, अंक:186 | जयपुर, शनिवार, 20 सितम्बर 2025 | मूल्य : 5.00 पेज:

भजनलाल कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय : राजस्थान को मिलेगी महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी

एजेंसी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित हुई। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में विश्वस्तरीय खेल प्रतिभाएं तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक लाने, राजमेस मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा की फीस कम करने, दिवंगत कार्मिक के माता-पिता और दिव्यांग संतान के लिए पारिवारिक पेंशन के प्रावधानों के सरलीकरण एवं विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्मिकों को पदोन्नतियों का लाभ देने के लिए सेवा नियमों में संशोधन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले बैठक में किए गए। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में 'द महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर बिल-2025' के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह विधेयक विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 के बजट में प्रदेश में खेलों और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए प्रतिभाशाली युवाओं को आधुनिक उपकरणों के साथ वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, विभिन्न खेलों के उच्चस्तरीय कोच एवं खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा की गई थी। डॉ. बैरवा ने बताया कि यह विश्वविद्यालय खेल विज्ञान, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेन्स एनालिटिक्स पर शोध को बढ़ावा देगा जिससे खेलों की गुणवत्ता और खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आएगा। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप खेलों के विकास के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भी कार्य करेगा। नवीनतम स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस यह विश्वविद्यालय हाई परफॉर्मेन्स ट्रेनिंग सेन्टर के रूप में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निखारने का काम करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राजमेस कॉलेजों में एनआरआई कोटा सीटों की फीस को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधन का निर्णय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार राजमेस कॉलेजों में एनआरआई सीटों की फीस को मैनेजमेंट कोटा की फीस का ढाई गुना किया गया है। इस संशोधित व्यवस्था से वर्ष 2025-26 के प्रवेश सत्र में एनआरआई सीटों की फीस घटकर लगभग 23 लाख 93 हजार रुपए प्रतिवर्ष रह जाएगी जो निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की औसत फीस के लगभग बराबर है। इससे प्रतिभाशाली एनआरआई विद्यार्थी राजमेस मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए आकर्षित होंगे और राजमेस सोसायटी को प्रतिवर्ष लगभग 45 करोड़ रुपए तक अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी (राजमेस) द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में 50 प्रतिशत सीटें गवर्नमेंट फीस कोटा, 35 प्रतिशत सीटें मैनेजमेंट कोटा और 15 प्रतिशत सीटें एनआरआई कोटा की हैं।

किंग चार्ल्स से गिफ्ट में मिले कदंब के पौधे को प्रधानमंत्री ने आवास पर लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर कदंब का पौधा लगाया। यूनाइटेड किंगडम के सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय ने उपहार स्वरूप यह पौधा पीएम मोदी को भेजा था। प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर किंग चार्ल्स ने शुभकामनाएं भेजते हुए पीएम मोदी को उपहार में कदंब का पौधा दिया था, जो पीएम मोदी के हालिया अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' से प्रेरित है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना है। भारत स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने इस वर्ष जुलाई में यूनाइटेड किंगडम यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किंग चार्ल्स को दिए गए उपहार को याद किया। ब्रिटिश उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷जुलाई में अपनी यूके यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इसी पहल के तहत महामहिम किंग को एक 'सोनोमा' का पौधा भेंट किया था। जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा पर सहयोग राष्ट्रमंडल और यूके-भारत साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है, जैसा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने विजन 2035 में निर्धारित किया है। अपनी मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷महामहिम राजा चार्ल्स तृतीय के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमने भारत-ब्रिटेन संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें

सीईटीए और विजन 2035 के मद्देनजर व्यापार और निवेश की प्रगति भी शामिल थी। चर्चा के अन्य विषयों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण, विशेष रूप से योग और आयुर्वेद शामिल थे, जिनके प्रति किंग बहुत समर्पित हैं। हमने पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता पर भी बात की।' 17 सितंबर, 1950 को गुजरात के छोटे से शहर वडनगर में जन्मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन दृढ़ संकल्प, आत्म-अनुशासन और समर्पण का रहा है। वे चाय बेचने वाले दामोदरदास मोदी और गृहिणी हीराबेन मोदी के पुत्र हैं। चार भाइयों और एक बहन के साथ उनका बचपन साधारण परिस्थितियों में बीता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में फिर बम रखे जाने की मिली धमकी से सनसनी

एजेंसी

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय में सुबह फिर से बम रखे जाने की धमकी मिलने से परिसर में सनसनी फैल गई। हालांकि धमकी की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस बम निरोधक दस्ते सहित मुंबई उच्च न्यायालय परिसर में पहुंची और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। लेकिन कहीं भी कुछ भी संदिग्ध नही मिला। इससे पुलिस दल ने राहत की सांस ली। इस धमकी के बाद मुंबई उच्च न्यायालय परिसर में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस सूत्रों ने पत्रकारों को बताया कि आज सुबह मुंबई उच्च न्यायालय के ईमेल पर बम रखे जाने की धमकी भरा मैसेज भेजा गया था। इसकी जानकारी न्यायालय प्रशासन ने तत्काल पुलिस को दिया। इसके बाद अदालत परिसर को खाली करवा दिया गया। अदालत परिसर की गहन छानबीन के बाद कहीं भी संदिग्ध नहीं मिला, जिसके बाद न्यायालय का नियमित कामकाज शुरु हो गया है। इस धमकी की शिकायत पुलिस ने अज्ञात शख्स के विरुद्ध दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है मुंबई उच्च न्यायालय में इससे पहले 12 सितंबर को इसी तरह की धमकी मिली थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर इमारत को पूरी तरह से खाली करा लिया गया था। उस समय भी पूरे परिसर की गहन छानबीन के बाद कुछ नहीं मिला था। पुलिस फर्जी ईमेल मैसेज भेजने वाले शख्स की तलाश कर रही है।

तमिल अभिनेता और कॉमेडियन रोबो शंकर का निधन

हैदराबाद। साउथ भारतीय सिनेमा से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन रोबो शंकर का निधन हो गया है। कमल हासन और विजय सेतुपति जैसे कलाकारों ने उन्हें अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मात्र 46 साल की उम्र में रोबो शंकर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार शूटिंग के दौरान गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद वह बेहोश हो गए थे। तुरंत उन्हें चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। रोबो शंकर के असमय निधन से फिल्म इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों में गहरा शोक है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के गलियारों में मातम पसरा हुआ है और सोशल मीडिया पर भी फैंस लगातार उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

उत्तराखंडः देहरादून व चमोली में आपदा के दौरान लापता हुए लोगों की तलाश जारी, दो जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में बारिश जारी है। मौसम विभाग ने देहरादून व टिहरी जिले में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लगातार बारिश से नदी नाले उफान हैं और देहरादून समेत राज्य में आपदा का संकट लगातार गहरा रहा है। देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी में आपदा के दौरान लापता हुए लोगों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब तक अंतिम लापता नहीं मिल जाता तब तक सर्च अभियान जारी रहेगा। टिहरी जिले के धनोल्टी तहसील अन्तर्गत सकलाना पट्टी के कटऑफ हो गए ग्राम रगड़गांव, सेरा, घुड़साल आदि गांवों के लिए हेलीकॉप्टर के माध्यम से राहत और खाद्य सामग्री पहुंचाई जा रही है । साथ ही मेडिकल टीम भी हेली के माध्यम से क्षेत्र में पहुंच गई है। जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल के निर्देश त्वरित राहत के निर्देश दिए हैं। देहरादून में सर्च अभियान जारी है। मलबे में दबे लोगों की युद्धस्तर पर तलाश जारी है। वहीं, चमोली जिले में भी सर्च एवं रेस्क्यू जारी है। मुख्यमंत्री धामी लगातार आपदा के राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। बारिश की चेतावनीमौसम विभाग ने देहरादून के अलग-अलग स्थानों सुधोवाला, लच्छीवाला, हर्रावाला क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, टिहरी जिले के धनोल्टी, कनाताल, चंबा में तीव्र बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा सहिया, लक्सर, कालसी व इनके आसपास के क्षेत्रों मे बिजली कड़कने के साथ गरज के साथ बौछारें पड़ने, तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए जिलों को अलर्ट किया गया है।

मप्र के सीधी में खड़े ट्रक में घुसी बोलेरो, भाजपा नेता के परिवार के तीन लोगों की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे पर शाम 7.30 बजे एक तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में मयापुर भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवकुमारी जायसवाल के परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां से रीवा रेफर कर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर ग़हरा दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि सीधी में गुरुवार को देर शाम एक बोलेरो वाहन के खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे में तीन नागरिकों की मृत्यु हुई है। पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के उचित इलाज की व्यवस्था करने के लिए सीधी जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। तीनों घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए रीवा रेफर किया गया है।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को सीधी जिले के बहरी तहसील में सोन नदी पर बने पुल का उद्घाटन करने वाले हैं। यह पुल सिंगरौली से बहरी होते हुए उत्तर प्रदेश को जोड़ता है। इस कार्यक्रम के लिए तैयारियां चल रही थी। कार्यक्रम स्थल के बाहर खड़े ट्रक में टेंट का सामान रखा था। गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार बोलेरो इसी ट्रक से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बोलेरो की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। हादसे में बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि बोलेरो वाहन जेठूला गांव निवासी जगदीश जायसवाल के नाम से रजिस्टर्ड है। जगदीश जायसवाल का बेटे प्रिंस जायसवाल कार लेकर घर से निकला था। उनके साथ दो लोग सवार थे, लेकिन रास्ते में कुछ और लोग बैठ गए, जिससे वाहन में कुल छह लोग हो गए। हादसे में धर्मेंद्र (24) पुत्र चूड़ामणि जायसवाल और गीता उर्फ आदित्य (55) पुत्र रघुनाथ की मौत हो गई। वहीं एक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। वहीं बालकृष्ण (25) पुत्र बाबूलाल प्रजापति, प्रिंस (22) पुत्र जगदीश जायसवाल और अजय (22) पुत्र जगदीश जायसवाल को गंभीर हालत में रीवा रेफर किया गया है। ये सभी जेठू गांव के रहने वाले हैं। एसडीएम प्रिया पाठक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मणिपुर में 6 उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों के बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के चुराचांदपुर, तेंगनौपाल और चंदेल जिलों में व्यापक अभियान चलाया है। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सैन्य उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद करने के साथ ही कुल 6 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए उग्रवादियों में केसीपी के चार, प्रीपाक (प्रो) के एक और सोरेपा के एक कैडर हैं। मणिपुर पुलिस ने एक बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले के एंड्रो पार्किंग से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कार्यकर्ता ताओरेम तोमचौ मैतेई उर्फ पेना (45) को गिरफ्तार किया है। इसी कड़ी में एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग थाना क्षेत्र से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के 03 सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान लीशांगथेम टंडन सिंह (34) उर्फ जॉन, लीशांगथेम आनंद सिंह (34) और हेइखम हेमचंद्र सिंह (41) उर्फ बोइनाओके रूप में हुई है। उनके कब्जे से 2 एसएलआर राइफलें, 1 संशोधित .303 राइफल, 1 इंसास राइफल, 1 संशोधित .303 राइफल

बाइपॉड सहित, 1 इंसास एलएमजी मैगज़ीन, 3 इंसास राइफल मैगज़ीन, 7.62 एसएलआर राइफल की 4 मैगज़ीन, 1.303 राइफल मैगज़ीन, 27.303 राइफल के कारतूस, 23 7.62 मिमी एसएलआर के कारतूस, 14 राउंड एके रायफल के कारतूस, 35 राउंड इंसास के कारतूस, 3 मोबाइल फोन और 3 आधार कार्ड की बरामदगी हुई है। इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के सक्रिय कार्यकर्ता इचाम खुनौ अवांग लेइकाई निवासी थोंगब्रम टिकेन मैतेई (40) को थौबल जिले के थौबल थाना क्षेत्र के उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। उसके पास से सिम कार्ड सहित एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। मणिपुर पुलिस ने सोरेपा के एक सक्रिय कार्यकर्ता समाराम मयाई लेइकाई निवासी खोइनैजम भूमेश्वर सिंह (24) को खोंगजोम थाना क्षेत्र के अंतर्गत उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। उसके पास से बरामद सामानों में 1 9 मिमी ज़िंदा कारतूस, 2.32 ज़िंदा कारतूस, 1 डमी बंदूक, 1 पिस्तौल होलस्टर, 1 मोबाइल फ़ोन और 1 आधार कार्ड शामिल है। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी ज़िले के मोनबंग रिज के सामान्य क्षेत्र से 4 सिंगल बैरल बंदूकें बरामद की। सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी ज़िले के न्यू कीथेलमनबी-थाना अंतर्गत गमदई और एस. मोंगोई के सामान्य क्षेत्र से 3 बोल्ट एक्शन राइफलें, खाली मैगज़ीन वाली तीन 9 मिमी की पिस्तौलें, बेल्ट सहित चार 12 बोर ज़िंदा कारतूस, पांच 12 बोर के खाली कारतूस, 1 वायरलेस हैंडहेल्ड सेट, 2 चार्जर और 2 बुलेटप्रूफ प्लेट बरामद किया।

यासीन मलिक के दावों पर भाजपा का हमला, अमित मालवीय ने यूपीए सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

एजेंसी

कोलकाता। जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के आतंकी यासीन मलिक की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में हाल ही दिये गये हलफनामें में किये गये दावे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नीत तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किये हैं।

यायीन मलिक के दावे पर भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व वाली तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के आईटी सेल प्रमुख और पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि यासीन मलिक एक कुख्यात आतंकी है, जिसने भारतीय वायुसेना के जवानों को गोली मारकर मौत के घाट उतारा। यह सीधे राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसा अपराध है और ऐसे

आतंकी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जा सकता। मालवीय ने अपने ट्वीट में सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यासीन मलिक का यह दावा सही है, तो यह यूपीए सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा और बैक-चैनल डिप्लोमेसी को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह साफ करना चाहिए कि आखिर किस आधार पर एक कुख्यात आतंकी से इस तरह की बातचीत करवाई गई और फिर प्रधानमंत्री स्तर पर उसका आभार जताया गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की आतंकवाद के प्रति नीति और पाकिस्तान से निपटने की रणनीति को कटघरे में खड़ा करते हुए मालवीय ने कहा कि कांग्रेस राज में आतंकियों को प्रधानमंत्री लेवल पर शुक्रिया अदा किया जाता रहा है।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का आतंकी यासीन मलिक, जो आतंकी फंडिंग मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है, उसने हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर हलफनामे में दावा किया है कि वर्ष 2006 में पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और 26/11 हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद से उसकी मुलाकात तत्कालीन भारतीय खुफिया एजेंसियों के कहने पर हुई थी और बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उसे धन्यवाद भी दिया था।

लोकतंत्र को बचाने के लिए देश के युवा निकल पड़े हैं : सुरेंद्र राजपूत

एजेंसी

लखनऊ । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों को चुनाव आयोग ने निराधार बताया। इस मामले को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने चुनाव आयोग पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि हमने कहा है कि 'वोट चोरी' की कोशिश हुई और इसलिए हमने ओटीपी का रिकॉर्ड, नाम, मोबाइल नंबर और आईपी एड्रेस भी मांगे, लेकिन यह हमें अभी तक नहीं दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने बातचीत में कहा, यह कैसे आधारहीन है? हमने 'वोट चोरी' की कोशिश का आरोप लगाया है। हमने कहा है आपसे कि ओटीपी की ट्रेल दे दीजिए। मोबाइल नंबर दे दीजिए या आईपी एड्रेस दे दीजिए, लेकिन वे इसे नहीं दे रहे हैं। 18-18 लेटर कर्नाटक की सीआईडी लिख चुकी है। 9-9 लेटर कर्नाटक के मुख्य चुनाव आयुक्त लिख चुके हैं। मगर, वे ट्रेल नहीं दे रहे। किसको बचा रहे हैं? उन्होंने कहा, हमने तो कहा है कि वोट चोरी की कोशिश हुई। 6,058 लोगों के वोट डिलीट करने के लिए ऑनलाइन आवेदन हुआ। जब उनसे पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हमने नहीं किया। कौन सा कॉल सेंटर है? कौन सा सॉफ्टवेयर है? सीआईडी की जांच में सहयोग नहीं कर रहे, तो माना जाएगा कि आप लोकतंत्र के चोरों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, चुनाव आयोग और ज्ञानेश गुप्ता को सात दिन के अंदर लेटर देना होगा। अब उनकी जुमलेबाजी नहीं चलेगी। लोकतंत्र को बचाने के लिए देश के युवा, नौजवान और किसान निकल पड़े हैं।

पुडुचेरी के विलियानुर बम धमाका मामले में एनआईए ने राज्य की जेल समेत चार ठिकानों पर की छापेमारी, दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पुडुचेरी में 2023 के विलियानुर बम धमाका और हत्या मामले में गुरुवार को पुडुचेरी की केंद्रीय जेल सहित चार स्थानों पर तलाशी के बाद दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हेरम उर्फ कार्थी उर्फ टीआर और उदयकुमार उर्फ कुमार के रूप में हुई है। एनआईए के अनुसार दोनों आरोपित मामले के गवाहों की जानकारी लीक करने, उनके नाम और अन्य संवेदनशील विवरण साझा करने के आरोप में पकड़े गए हैं। मामला उस राजनीतिक कार्यकर्ता सेंथिल कुमारन की हत्या से जुड़ा है, जिसे मई 2023 में विलियानुर में छह हमलावरों ने पहले देशी बम से धमकाया और फिर धारदार हथियारों से मार डाला था। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों ने मुख्य आरोपित नित्यानंदम उर्फ निथी और अन्य के साथ मिलकर संरक्षित गवाहों के नाम, पहचान और मोबाइल नंबर हासिल कर उन्हें फैलाया। एनआईए ने निथी और 12 अन्य आरोपियों के खिलाफ 21 सितम्बर 2023 को आरोपपत्र दाखिल किया था। फिलहाल निथी यानम जेल में बंद है जबकि अन्य आरोपित पुडुचेरी की कलापेट केंद्रीय जेल में निरुद्ध हैं। एजेंसी ने बताया कि हाल ही में मिली खुफिया जानकारी में संकेत मिले थे कि निथी और उसके सहयोगियों ने अवैध तरीके से संरक्षित गवाहों की पहचान प्राप्त कर उन्हें धमकाने और कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की। इसी आधार पर एनआईए की टीमों ने गुरुवार को कलापेट केंद्रीय जेल, यानम जेल और दो अन्य स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड और गवाहों की पहचान उजागर करने वाले दस्तावेज जब्त किए गए। एनआईए ने कहा है कि मामले की जांच जारी है ताकि हत्या के पीछे की बड़ी आपराधिक साजिश और उन सभी लोगों की पहचान की जा सके।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया, दो शूटरों का एनकाउंटर किया जा चुका

एजेंसी

नई दिल्ली । अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। इस मामले में पहले ही दो शूटरों का एनकाउंटर किया जा चुका है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस की टीमों ने संयुक्त ऑपरेशन में शूटरों को मार गिराया था। जानकारी सामने आई है कि पकड़े गए दो नाबालिग आरोपी कथित तौर पर दिशा पाटनी के उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित आवास पर फायरिंग की घटना में शामिल थे। इन आरोपियों से

पूछताछ के दौरान फायरिंग केस में दिल्ली पुलिस को कई अहम सुराग मिल सकते हैं।

यह मामला 12 सितंबर का है, जब बरेली के सिविल लाइंस इलाके में दिशा पाटनी के घर पर तड़के करीब 3.45 बजे गोलीबारी हुई थी। उस समय अभिनेत्री के पिता, रिटायर्ड सीओ जगदीश सिंह पाटनी, उनकी मां और बड़ी बहन खुशबू घर पर मौजूद थीं। इस घटना में किसी को नुकसान नहीं हुआ, लेकिन गोलीबारी से इलाके में हड़कंप मच गया था। घटना के तुरंत बाद गोल्डी बरार गैंग की तरफ से एक कथित सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हमले की जिम्मेदारी ली गई, जिसके स्क्रीनशॉट वायरल हुए।

खुफिया सूचनाओं के आधार पर, उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा टीम, हरियाणा पुलिस और दिल्ली पुलिस की एक संयुक्त टीम ने दो संदिग्धों का गाजियाबाद में पता लगाया। दोनों आरोपी बुधवार को गाजियाबाद में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। बताया जाता है कि रोहतक निवासी रविंद्र और सोनीपत निवासी अरुण का गोल्डी बरार गैंग से कनेक्शन था। अधिकारियों के अनुसार, जब टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो दोनों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी गोलीबारी में दोनों आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके हथियार छीन लिए गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

प्रशिक्षु आरपीएस के 55वें बैच का दीक्षांत समारोह, मुख्यमंत्री ने की आरपीए में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा

जयपुर, 19 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस में प्रशिक्षण से कानून की जानकारी के साथ ही आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देकर उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आगामी समय में इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

श्री शर्मा शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के प्रशिक्षणार्थियों के दीक्षान्त परेड़ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैच के 76 प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और कड़ी तपस्या से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। श्री शर्मा ने इस अवसर पर पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा की। इससे साइबर अपराध, आर्थिक मामलों से सम्बन्धित अपराध इत्यादि के सम्बन्ध में पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा।

महिला पुलिस अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल होना अत्यंत गर्व की बात है। महिला पुलिस अधिकारी से महिलाएं अपनी समस्याएं बेझिझक बताती हैं। ये महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं। श्री शर्मा ने कहा कि वर्तमान में अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नई-नई चुनौतियों से लड़ने के लिए पुलिस को निरंतर सजग, अपडेट और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी कुशलता, साइबर सिक्योरिटी की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी महत्वपूर्ण है।

विजय सैनी बने जेजेपी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ कैथल के जिला अध्यक्ष, नेतृत्व का जताया आभार

कैथल (कृष्ण प्रजापति): जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने संगठन में बड़ा निर्णय लेते हुए पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ कैथल के जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी एक बार फिर विजय सैनी को सौंपी है। इस नियुक्ति के बाद जिलेभर के कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विजय सैनी ने इस जिम्मेदारी के लिए जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, बीसी सेल के प्रदेश प्रभारी धर्मपाल प्रजापति, प्रदेश अध्यक्ष राजेश सैनी, जिला अध्यक्ष अवतार सिंह सीड़ा और अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि पार्टी ने दूसरी बार उन पर भरोसा जताया है।

विजय सैनी ने कहा कि उनका सफर सिपाही से सिपहसालार तक का रहा है और उन्होंने हर मुश्किल घड़ी में संगठन के लिए ईमानदारी और वफादारी से काम किया है। विजय सैनी ने कहा कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव, गली-गली तक पहुंचाने का काम करेंगे और पिछड़ा वर्ग समाज को संगठित कर पार्टी को और मजबूती प्रदान करेंगे। सैनी ने यह भी कहा कि उनका हर साथी उनके संघर्ष, समर्पण और व्यवहार का गवाह है और वे हमेशा कार्यकताओं और जनता की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को आश्वस्त किया कि वे पूरी निष्ठा, ऊर्जा और टीम भावना के साथ संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर कार्यकताओं ने विजय सैनी को बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिले में नई मजबूती और दिशा प्राप्त करेगा। जिलेभर में कार्यकताओं ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए इसे संगठन की मजबूती के लिए सकारात्मक कदम बताया।

गंगासागर में आयोजित ह्यहमारा पड़ोस, हमारा समाधानह्व शिविर में मंत्री ने सुनीं शिकायतें, दिए समाधान के आश्वासन

गंगासागर, रमेश रायः

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर पूरे राज्य में चल रहे ह्यहमारा पड़ोस, हमारा समाधानह्व कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को दक्षिण 24 परगना जिले के गंगासागर स्थित कंपनीचर महेश्वरी हाई स्कूल में अंतिम शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन मूड़िगंगा-2 ग्राम पंचायत की ओर से किया गया। इस अवसर पर सुंदरबन विकास मंत्री बंकिमचंद्र हाजरा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उनके साथ सागर के बीडीओ कनैया कुमार राव, पंचायत समिति की अध्यक्षा साबीना बीबी, उपाध्यक्ष स्वप्न कुमार प्रधान, पंचायत समिति के कर्माध्यक्ष अब्दुल सामिर शाह, प्रधान गोविंद मंडल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित थे। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुँचे और मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएँ एवं शिकायतें रखीं। मंत्री ने धैर्यपूर्वक सभी शिकायतें सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया। शिविर के दौरान प्रवासी मजदूरों को वस्त्र और कई तरह के रसोई उपकरण भी मंत्री, बीडीओ और प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से सौंपे गए।

सुखमनी साहिब के पाठ के साथ बाबा फरीद मेला शुरू

विधायक गुरदीत सिंह सेखों, उपायुक्त पूनमदीप कौर ने टिल्ला बाबा फरीद में मत्था टेका

फरीदकोट, 19 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

बाबा शेख फरीद जी के आगमन के उपलक्ष्य में, टिल्ला बाबा फरीद में सुखमनी साहिब के पाठ के बाद अरदास और कीर्तन के साथ बाबा शेख फरीद जी का वार्षिक आगमन शुरू हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महान सूफी संत बाबा शेख फरीद जी के चरणों में मत्था टेका और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, हलके के विधायक स. गुरदीत सिंह सेखों, उपायुक्त फरीदकोट श्रीमती पूनमदीप कौर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रज्ञा जैन और एसडीएम फरीदकोट मेजर डॉ. वरुण कुमार, सामान्य प्रशासनिक अधिकारी गुरकिरणदीप सिंह ने भी गुरु घर में मत्था टेका। विधायक सरदार गुरदित्त सिंह सेखों ने बाबा फरीद आगमन पर्व पर श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए कहा कि बाबा फरीद जी एक महान सूफी संत थे, जिनके भजन हमें मानसिक और आध्यात्मिक रूप से प्रेरणा देते हैं।

उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कम्पलेक्स रिसोर्स सेंटर में शुरू

सीवान संवाददाता मसरूर अहमद

सीवान । जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान सीवान के आदेश के आलोक में शैक्षणिक सत्र 2025- 26 मे वर्ग 03 से वर्ग 08 के छात्रों का अर्धवार्षिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रश्नपत्र सह उत्तर पुस्तिकाओ की जांच कम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर श्याम लाल जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरौली, सीवान में दिनांक 19/9/25 से 23/9/25 तक 25 परीक्षको के द्वारा 1867 के बनिस्बत आज 691 प्रश्नपत्र -सह- उत्तर पुस्तिकाओं की जांच किया गया । परीक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए लाल पेन (कलम) दिया गया । सुनिल यादव केंद्राधीक्षक -सह- प्राचार्य कम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर श्याम लाल जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरौली सीवान ने बताया कि सभी परीक्षकों को मूल्यांकन के पूर्व उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए परीक्षक लाल कलम तथा प्रधान परीक्षक हरे कलम का उपयोग करेंगे । सभी परीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे की कोई भी प्रश्न या खंड अमूल्यांकित ना रहे । प्रधान परीक्षक संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि सभी परीक्षक व्यवहत उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन करने के पश्चात उत्तर पुस्तिकाओं के दाहिने तरफ अंको को दर्ज करेंगे।

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में किसान मेला आयोजित, अध्यक्ष एस. संधवान मुख्य अतिथि और विधायक एस. सेखों विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल

फरीदकोट, 19 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा)

"उत्पादों से उत्पाद बनाएँ, कृषि लाभ को और बढ़ाएँ" के उद्देश्य से पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र फरीदकोट में आज किसानों को रबी फसलों, कृषि विविधीकरण, पराली प्रबंधन आदि के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें पंजाब विधानसभा अध्यक्ष एस. कुलतार सिंह संधवान मुख्य अतिथि और विधायक फरीदकोट एस. गुरदित सिंह सेखों विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मेले की अध्यक्षता पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने की।

इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवान ने कहा कि पंजाब और देश की उन्नति और विकास का रास्ता किसान के खेतों से होकर जाता है। इसलिए हमें किसान और खेती को और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंजाब में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना जैसा प्रतिष्ठित संस्थान है, जो किसानों को हर क्षेत्र में मार्गदर्शन देता है और इस विश्वविद्यालय ने अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए लगातार तीसरे वर्ष देश के कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवान ने राज्य में सहकारिता आंदोलन को और मजबूत करने का आह्वान किया और आश्वासन दिया कि पंजाब सरकार इस आंदोलन को मजबूत करने और किसानों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए हर तरह की वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने किसानों से कृषि विविधीकरण अपनाने, कृषि आधारित सहायक व्यवसायों में शामिल होने और अपनी फसलों/उत्पादों का पूरा मूल्य प्राप्त करने के लिए कृषि आधारित लघु उद्योग स्थापित करने का भी आह्वान किया और कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय और पंजाब सरकार इस कार्य के लिए किसानों को हर संभव सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

ग्रामीण सेवा शिविर में सीएमएचओ डॉ. मीणा ने लिया चिकित्सा सुविधाओं का जायजा

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) 19 सितम्बर।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने शुक्रवार को बाड़ी के ग्राम पंचायत खानपुर और मत्सुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। उन्होंने चिकित्सा विभाग की ओर से लगाए गए स्वास्थ्य शिविर, दवा वितरण व्यवस्था, हीमोग्लोबिन, मधुमेह रक्तचाप जांच और रोगी पंजीयन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आमजन को और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए। लाभार्थियों से भी बातचीत कर यह सुनिश्चित किया कि उन्हें योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग करने के भी निर्देश दिए। ताकि टीबी रोगियों को पूर्ण स्वस्थ किया जा सके। शिविर में उन्होंने टीबी रोगियों को निक्षय किट भी प्रदान की। उन्होंने रोगी को नियमित उपचार कराने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने आशा कार्यकताओं द्वारा दी जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में उनसे जानकारी ली।और किसान महिलाओं ने भाग लिया।

ग्रीन आतिशबाजी विक्रेताओं के अस्थाई लाइसेंस हेतु आवेदन करें 24 सितम्बर से

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) 19 सितम्बर।

जिले में दीपावली के त्यौहार पर ग्रीन आतिशबाजी सामग्री विक्रेताओं को अस्थाई लाइसेंस जारी किए जाने के लिए 24 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक इच्छुक आवेदकों से आवेदन उपखण्ड मजिस्ट्रेट कार्यालय में जमा किए जा सकते है। जिला मजिस्ट्रेट श्रीनिधि बी टी ने बताया कि उपखण्ड मजिस्ट्रेट प्राप्त आवेदनों की जांच करने के पश्चात उपयुक्त पाए गए आवेदनों को 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक की अवधि के लिए अस्थाई अनुज्ञा पत्र जारी किए जाएगे। उन्होंने बताया कि विस्फोटक नियम 2008 में निर्धारित मापदण्डों में किए गए संशोधन की पालना सुनिश्चित की जाएं। दीपावली के त्यौहार पर बिना लाइसेंस के कोई व्यक्ति आतिशबाजी, पटाखों की बिक्री नहीं करें यदि कोई व्यक्ति बिना लाइसेंस के बाजार में या अन्य कही आतिशबाजी सामग्री, पटाखा विक्रय करता पाए जाता है तो एके विरुद्ध नियमानसार कठोर कार्यवाही की जाएगी।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया)19 सितम्बर।

220 केवी जीएसएस धौलपुर पर 132 केवी धौलपुर-रीको लाइन का मरम्मत व रखरखाव का कार्य होने के कारण 21 सितंबर को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियन्ता 220 केवी जीएसएस धौलपुर संध्या चौहान ने बताया कि 132 केवी जीएसएस रीको के 33 केवी कौलारी, रीको एरिया, 132 केवी जीएसएस मनिया के 33 केवी बगचोली, मनिया, धनसा, 132 केवी जीएसएस मरैना के 33 केवी मढ़ाभाऊ, मरैना, जसूपुरा, जाटौली तथा 132 केवी जीएसएस राजाखेड़ा के 33 केवी नदोरा, नागर, राजाखेड़ा एवं मरैना की 21 सितम्बर को प्रातः 7.30 बजे से 10.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति

आसन्न विधानसभा निर्वाचन- 2025 के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- जिला पदाधिकारी, सिवान डॉ आदित्य प्रकाश के निदेर्शानुसार जिला में चल रहा है मतदाता जागरूकता अभियान

सीवन संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान,19 सितंबर 2025 शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिला पदाधिकारी सिवान डॉ आदित्य प्रकाश के निर्देश पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप गतिविधियां तेज हो गई है। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के द्वारा अपने-अपने पोषक क्षेत्र में तथा जीविका दीदीयों के द्वारा स्वीप गतिविधि के तहत घर-घर भ्रमण कर मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। आंगनबाड़ी सेविका/सहायिकाओं के द्वारा शपथ ग्रहण,रंगोली प्रतियोगिता,मेहंदी लगाने एवं सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी लेकर, कैंडल मार्च एवं रैली का आयोजन कर मतदाता जागरूकता अभियान को लगातार चलाए जा रहा है। इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग सभी परियोजना में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी तथा महिला पर्यवेक्षिका के द्वारा किया जा रहा है। विदित हो कि जिले में वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने तथा विशेष कर महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ाने हेतु लगातार अभियान जारी है। इसके लिए दायित्व का निर्धारण करते हुए प्रत्येक दिवस के लिए अलग-अलग एक्टिविटी करने का निर्देश जिला पदाधिकारी के द्वारा दिया गया है। इस पूरे मतदाता जागरूकता अभियान का प्रभावी मॉनिटरिंग करने का निर्देश जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस को दिया गया है। उल्लेखनीय है कि डीपीओ आईसीडीएस स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी हैं तथा इसके वरीय प्रभार में उप विकास आयुक्त, सिवान हैं।

मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना बनी आमिर के लिए सहारा,

शहरी सेवा शिविर में योजनान्तर्गत ब्याजमुक्त ऋण का मिला चेक

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया)19 सितम्बर।

नगर पालिका बाड़ी द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर में एक साधारण ठेलेवाले की जिंदगी बदल गई। लोहार बाजार निवासी मोहम्मद आमिर लंबे समय से अपने ठेले पर रोजमर्रा का सामान बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। कम आय और बढ़ते खर्चों के बीच उनका व्यापार ठहराव पर था। पिछले दिनों आयोजित शहरी सेवा शिविर में आमिर पहुँचे। वहाँ मौजूद अधिकारियों ने उन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। योजना की प्रक्रिया पूरी होते ही उन्हें ब्याज मुक्त ऋण सुविधा मिल गई। शिविर में मिली सहायता से आमिर ने ठेले पर ज्यादा किस्म का सामान रखना शुरू किया। अब उनके पास ग्राहकों की पसंद का अच्छा-खासा स्टॉक रहता है। बिक्री में इजाफा हुआ और आमदनी भी बढ़ गई। आमिर के चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास साफ झलकता है।

खुशी का इजहार करते हुए आमिर बोले ह्यराज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना ने मेरे लिए नई राह खोल दी। अब कारोबार बढ़ा है, परिवार की जरूरतें पूरी हो रही हैं और बच्चों की पढ़ाई भी अच्छे से करवा पा रहा हूँ। मोहम्मद आमिर की यह कहानी इस बात का प्रमाण

पीएम श्री स्कूल बात्ता में आयोजित हुआ वोकेशनल एजुकेशनल अवेयरनेस कैंप

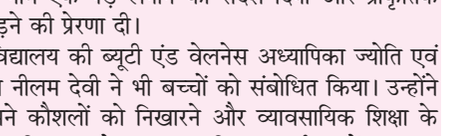

कैथल (कृष्ण प्रजापति): पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बात्ता में आज वोकेशनल एजुकेशनल अवेयरनेस कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभा देवी (आईटीआई इंस्ट्रक्टर), करण सिंह (आईटीआई इंस्ट्रक्टर) और जॉनी राणा (प्राकृतिक खेती एक्सपर्ट) ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रतिभा देवी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर छात्र को अपने जीवन का उद्देश्य निर्धारित करना चाहिए। बिना लक्ष्य के छात्र जीवन में पीछे रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कौशल सीखने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है। बच्चों को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक संसाधनों का ध्यान रखते हुए लक्ष्य साधकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। करण सिंह ने व्यावसायिक शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवसायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में कौशल और व्यावसायिक ज्ञान ही सफलता की कुंजी है। विद्यार्थी ध्यानपूर्वक पढ़ाई करें, कार्यों को गहराई से समझें और अपनी क्षमताओं को निरंतर विकसित करें। जॉनी राणा ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज अंधाधुंध रासायनिक खाद और पेस्टिसाइड का उपयोग मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे रासायनिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती अपनाएं। गोबर की खाद, केंचुआ खाद और घर पर बनी जैविक खाद का उपयोग करके ही हम पौष्टिक अन्न, फल और सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं और अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन दे सकते हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने बच्चों को विद्यालय परिसर और घर-परिवार में अधिक से अधिक प्राकृतिक रूप से पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें न केवल खेती में बल्कि जीवनशैली में भी प्रकृति के करीब जाना चाहिए।

कार्यक्रम का सफल संचालन क्लब प्रभारी प्रवीण कुमार ने किया। उन्होंने बच्चों को मां के नाम एक पेड़ लगाने का संदेश दिया और प्राकृतिक खेती-बाड़ी से जुड़ने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विद्यालय की ब्यूटी एंड वेलनेस अध्यापिका ज्योति एवं पीसीए अध्यापिका नीलम देवी ने भी बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने कौशलों को निखारने और व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बलवान, **किरण, शुभकामना, हेमू और सुशीला सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।**

कैथल पहुंचे आप प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता का भाजपा सरकार पर हमला

कैथल (कृष्ण प्रजापति): आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और उसे बहुत झूठी पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें हर मोर्चे पर विफल साबित हुई हैं। कभी झूठी योजनाओं के नाम पर तो कभी सुनहरे सपने दिखाकर इन्होंने युवाओं और गरीब जनता को ठगने का काम किया है। कैथल जिला पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में डॉ. गुप्ता ने कहा कि सबसे ज्यादा प्रभावित किसान और युवा वर्ग हैं। किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, वहीं बेरोजगारी से जूझ रहे युवा अपने भविष्य को लेकर निराश हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और नशाखोरी लगातार बढ़ रही है और सरकार इस पर पूरी तरह से नियंत्रण करने में असफल रही है। आप प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी लगातार जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरने का काम करती है और जनता की ताकत से सरकार को झुकाने का काम करती रहेगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हालात अगर ऐसे ही रहे तो देश की स्थिति नेपाल और अन्य अस्थिर देशों जैसी हो सकती है, क्योंकि जब जनता की सहनशीलता की सीमा समाप्त होगी तो वह सरकार को कभी बख्शेगी नहीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, महिला सुरक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी मजबूती से जनता के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों की रक्षा कर रही है। डॉ. सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की जनता का विशेष आभार जताया और कहा कि यहां की जनता ने हमेशा उन्हें और आप पार्टी को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि उनका कैथल और कुरुक्षेत्र से विशेष लगाव है

जन सुराज पार्टी के बैनर तले, महुआ विधानसभा क्षेत्र के छः पंचायतों के चौक चौराहे पर भावी प्रत्याशी की चैन की एक पहल संवाद कार्यक्रम

देश का दर्पण संवाददाता रमेश प्रसाद सिंह की रिपोर्ट बिहार वैशाली से

जन सुराज पार्टी के बैनर तले बिहार बदलाव यात्रा के दौरान महुआ विधानसभा क्षेत्र के चेहराकलां प्रखण्ड अन्तर्गत जिला परिषद क्षेत्र के छः पंचायत जैसे विशुनपुर अड़रा, चेहराकलां, मथना मिलिक, अबाबकरपुर, खाजेचांद छपड़ा एवं मंसुरपुर हलैया पंचायतों का का भ्रमण किया गया है बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जन सुराज पार्टी ने बिहार बदलाव यात्रा के दौरान महुआ विधानसभा प्रभारी अखिलेश पासवान के नेतृत्व में
चेहराकलां प्रखण्ड के जिला परिषद क्षेत्र के छः पंचायतों के

विभिन्न गांवों के चौक चौराहे पर भावी महुआ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी संजु देवी, इन्द्रजीत प्रधान, पिंकी विपल्वी, डॉ सुमन सिन्हा, मनोज कुमार यादव, कल्याण सिंह, मो अब्दुल्ला द्वारा अपना अपना पार्टी के विचार धाराओं से लोगों को अवगत कराया। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रखते हुए महुआ विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी के चयन प्रक्रिया के रणनीति के साथ मंथन हुई। प्रत्याशियों के बीच गतिविधियों एवं परिचर्चा और मुल्यांकन के दृष्टिकोण पर अमल करने पर बल दिया गया है। पार्टी के नीतिगत भावना के अन्दर रहकर कार्य का अंजाम दिया जाना है।
पार्टी के रणनीति के महुआ विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत चेहराकलां प्रखण्ड क्षेत्र चौक चौराहे पर संभावित प्रत्याशियों में से विशेष कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय कमिटी की जांच दल गोपनीय ढ़ग मुल्यांकन दौर जारी था।
इस मौके पर जिला प्रभारी इंद् राज्य कोड़ कमेटी सदस्य राजदेव ठाकुर, महुआ विधानसभा प्रभारी अखिलेश पासवान, प्रखण्ड अध्यक्ष सुनील शर्मा , जिला सचिव मंजेश कुमार यादव , चेहराकलां प्रखण्ड युवा अध्यक्ष राकेश कुमार यादव, महुआ प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता, चेहराकलां महिला प्रखण्ड प्रमिला देवी, ललन पैटी, विकास कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे

जिले के विभिन्न प्रखंडों में ने आयोजित किया गया स्वीप कार्यक्रम।

देश का दर्पण न्यूज संवाददाता रमेश प्रसाद सिंह की रिपोर्ट बिहार वैशाली से

आगामी बिहार विधान सभा चुनाव 2025 के मद्देनजर मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु मतदाताओं को जागरूक करने उद्देश्य से वैशाली जिला के विभिन्न प्रखंडों में आंगनबाड़ी सेविका सहायिका जीविका दीदी द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया ।

विद्यालय के प्रांगण में चुनावी पाठशाला भी लगायी तथा बच्चों को लोकतंत्र से संबंधित आवश्यक टास्क भी दिये । इस दौरान उपस्थित छात्र छात्राओं ने संकल्प लिया कि आने वाले विधान सभा के निर्वाचन में वे न केवल अपने अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे बल्कि पड़ोसियों एवं गाँव के आम जन को भी जागरूक करेंगे . इस दौरान ह्न हम हैं मतदाता - राष्ट्र के निमार्ता , चाहे जो भी हो मजबूरी - वोट देना बहुत जरूरी , वोट देना जाना है - लोकतंत्र बचाना है ह्न जैसे नारे लगाकर चुनावी पाठशाला में शामिल छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया ।स्वीप को लेकर जिला पदाधिकारी वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह ने बताया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब गाँव - शहर के सभी नागरिक अपने अपने मताधिकार का खुलकर प्रयोग करेंगे । उन्होंने कहा कि यही विद्यार्थी कल देश का वोटर बनेगा और यह सर्व विदित है कि एक जागरूक मतदाता ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है । ज्ञात होगी वैशाली जिला के विभिन्न प्रखंडों में विभिन्न प्रकार की शिव गतिविधियां आयोजित कर मतदाता जागरूकता अभियान तीव्र गति से जारी है।

पीड़ित संत महन्त पुजारी पर लंबे समय से हो रहे अत्याचारों को लेकर मंदिर संघ के कार्यकताओं ने दिया धरना

जयपुर शहीद स्मारक पर सनातन के मूलजड प्राचीन मठ मंदिरों एवं मठ मंदिरों की भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराने व पीडित संत महन्त पुजारियों पर लम्बे समय से हो रहे अत्याचारों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय मठ मंदिर संघ द्वारा धरना दिया गया। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड० हनुमान सहाय शर्मा ने बताया की राजस्थान में लम्बे समय से मंदिरों की भूमियों पर अक्रिमण हो रहे हैं। पुजारियों के साथ जगन्य अत्याचार हो रहे हैं। पिछले साल भी राष्ट्रीय मठ मंदिर संघ ने धरना दिया था परन्तु अभी तक कोई रोक नहीं लगी अतिक्रमण व पुजारियों पर अत्याचार बढ़ते ही जा रहे हैं। पिछली कांग्रेस सरकार में कई मठ मंदिरों की रक्षा में पुजारी शहीद हो चुके हैं। सपोटरा करौली के बाबूलाल वैष्णव को पैट्रोल डालकर बेरहमी से जला दिया गया, महवा दौसा के शंभु पुजारी को बेरहमी से मार दिया गया भूमाफिया मंदिरों की जमीनों को भूमाफिया छीन रहे हैं तहसील स्तर के रैवेन्यू प्रशासनिक अधिकारियों की मिली भगत हो रहा है। तहसील स्तर के रैवेन्यू अधिकारी प्रशासन लॉ एण्ड ऑर्डर मैंटेन नहीं कर रहे न्यायालयों के आदेशों के बावजूद भी पुजारियों को डरा धमकाकर अतिक्रमण करवा रहे हैं। डिपार्टमैंटों में अधिकतर अधिकारी मठ मंदिरों को नष्ट करने की सोच वाले बैठे हैं। संत महन्त पुजारी सेवायत अत्याचार सहकर भी मठ मंदिरों मंदिरों की भूमियों तथा सनातन धर्म, हिन्दुत्द, संस्कृति की रक्षा कर रहे हैं। पुजायिों को स्थाई न्याय देकर सुरक्षा दी जावे नोन बेलेवल धाराओं पुजारी अत्याचार निवारण एक्ट लाया जावे पुजारी द्वारा मुकदमा दर्ज किये जाने पर बिना जॉच तत्काल गिरफतारी एवं 10 साल तक की कैद का प्रावधान लाया जावे तभी पुजारी सुरक्षित हो सकते हैं। यदि संत महन्त पुजारियों को राहत नहीं मिली तो दिसम्बर 2025 में भारी संख्या में दिल्ली जंतर मंतर पर धरना देंगे। प्रदेश अध्यक्ष राम पंडा ने बताया की सनातन की सरकार है अब भी न्याय नहीं मिलेगा तो कब मिलेगा सिर्फ राम मंदिर के नाम पर कब तक चलोगे राजस्थान के पुजारी त्राहीमान त्राहीमान कर रहे हैं। हमारी दस मांगें हैं पूरी की जावे एवं 22 मंदिरों के गंभीर पीडित पुजारियों को तत्काल न्याय दिया जावे।

राजस्थान स्टेट बेंच प्रेस चैंपियनशिप-2025 : शाहपुरा के पारीक ने जीता सिल्वर, राष्ट्रीय स्तर पर चयन – जोशी को कांस्य पदक

सुरज वर्मा

शाहपुरा(भीलवाड़ा) राजस्थान स्टेट पावरलिफ्टिंग संगठन इंडिया द्वारा आयोजित 30वीं राजस्थान स्टेट बेंच प्रेस चैंपियनशिप-2025 (जूनियर, सीनियर एवं मास्टर एक्विप्ड ब्रेंच प्रेस प्रतियोगिता) राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल जयपुर के तत्वावधान में कोटा में संपन्न हुई।
इस प्रतियोगिता में शाहपुरा के दी बॉलर्स जिम से तीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टीम कोच अंकित कसेरा ने बताया कि एडवोकेट दीपक पारीक ने मास्टर प्रथम श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर पदक जीता और उनका राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ।
वहीं विनोद जोशी ने मास्टर द्वितीय श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा शाहपुरा के कार्तिक दाधीच ने सीनियर श्रेणी में दमदार प्रदर्शन कर भीलवाड़ा का नाम रोशन किया।दी बॉलर्स जिम के निर्देशक सुनील कसेरा ने कहा कि ह्नशाहपुरा में पावरलिफ्टिंग खेल के प्रति युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है और दीपक पारीक का राष्ट्रीय चयन पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।ह्वयह उपलब्धि शाहपुरा और भीलवाड़ा के लिए गौरव का विषय है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की सफलता से युवाओं में नया उत्साह जगा है और आने वाले आयोजनों में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

जर्जर महल में पानी की टंकी निर्माण पर विवाद टंकी बचाओ संघर्ष समिति की बैठक,आर्य समाज के विरोध पर जताया आक्रोश

सुरज वर्मा

शाहपुरा शहर के जर्जर महल परिसर में नई पानी की टंकी निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, आर्य समाज पदाधिकारियों की ओर से लगातार आपत्ति जताते हुए नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिससे कार्य बाधित हो रहा है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शाहपुर नगर पर कोटा क्षेत्र के लोग लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे हैं। पुरानी टंकी जर्जर हालत में है और कभी भी गिर सकती है। ऐसे में नई टंकी का समय पर निर्माण होना जरूरी है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।इसी मुद्दे पर गुरुवार शाम को टंकी बचाओ संघर्ष समिति की बैठक हुई। बैठक में आर्य समाज पदाधिकारियों के विरोध की कड़ी

निंदा की गई और प्रशासन से मांग की गई कि निर्माण कार्य में आ रही बाधा को तुरंत दूर किया जाए।

लम्पी रोग से गौवंश को बचाने की विभाग की पूरी तैयारी, स्थिति पूर्ण नियंत्रण में: पशुपालन मंत्री

जयपुर, 19 सितंबर 2025। पशुपालन, गोपालन और देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संवेदनशील मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार पशुओं के कल्याण के प्रति समर्पित होकर काम कर रही है। श्री कुमावत ने कहा कि लंपी रोग के बारे में किसी भी तरह से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार लंपी रोग के प्रति पूरी तरह सतर्क है और इसकी रोकथाम के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रही है। पशुपालकों को इस बीमारी से भयभीत होने की कोई जरूरत नहीं है, विभाग अपना काम पूरी मुस्तैदी से कर रहा है और जहां भी कुछ ऐसे केस मिल रहे हैं वहां तुरंत सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। इस वर्ष अन्य राज्यों से सटे सीमावर्ती जिलों में लंपी के कुछ छिटपुट केस देखने में आ रहे हैं। इन सीमावर्ती जिलों में त्वरित कार्यवाही के लिए आर आर टी का गठन कर दिया गया है। विभाग में प्रचुर मात्रा में औषधियां भी उपलब्ध हैं। रोगी गौवंश को अविलम्ब आइसोलेशन कर समुचित उपचार की व्यवस्था विभाग द्वारा सुनिश्चित कर ली गई है। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है।
उन्होंने कहा कि रोग को नियंत्रित करने के लिए सभी संभव कदम उठाए जा रहे हैं जिनमें से टीकाकरण और जागरूकता अभियान मुख्य हैं। टीकाकरण इस रोग से बचाव का एक प्रमुख हथियार है इसलिए राज्य सरकार ने पशुओं के टीकाकरण पर जोर दिया जिससे रोग के प्रसार को समय रहते रोका जा सके। वर्ष 2025-26 में 1 करोड़ 11 लाख 57 हजार गौवंशीय पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा और दो महीने में लक्ष्य के विरूद्ध 1 करोड़ 8 लाख से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।
इसके अलावा सरकार ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर पशुपालकों को लंपी रोग के बारे में जानकारी भी उपलब्ध करा रही है। वर्तमान में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर में भी लोगों को लंपी रोग के लक्षण, बचाव और उपचार के प्रति जागरूक किया जा रहा है।
पशुपालन मंत्री ने कहा कि लंपी रोग पशुओं का एक संक्रामक रोग है। इससे मुख्य रूप से गौवंश प्रभावित होते हैं और पशुपालकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। प्रदेश दो साल पहले इस रोग का दंश झेल चुका है। वर्ष 2022-23 में काफी अधिक संख्या में गौवंशीय पशु लंपी रोग से ग्रसित हुए थे और तब लगभग 76000 गौवंश की मृत्यु हुई थी। तब भी विभाग की सक्रियता से हजारों पशुओं की जान बचाई जा सकी थी। इसलिए सरकार अब इस रोग से बचाव के लिए सक्रिय होकर कार्य कर रही है। श्री कुमावत ने कहा कि पिछले वर्ष भी दो माह के टीकाकरण अभियान के तहत राज्य की लगभग 95 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण किया गया था

राजस्थान खेल विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 पर विधायक मनोज न्यांगली से मिले शारीरिक शिक्षक गौरव

कोटपूतली (दिपेश नारायण शर्मा) - राजस्थान में खेल शिक्षा और खेल अवसंरचना के विकास से जुड़ी एक गंभीर समस्या को लेकर शारीरिक शिक्षक गौरव राठौर और रोनक सुमन ने विधायक मनोज न्यांगली जी के निवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान राजस्थान खेल विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 पर विस्तार से चर्चा की गई। गौरव राठौड ने बताया की अधिनियम पारित होने के बावजूद

पिछले 12 वर्षों में इस विश्वविद्यालय की स्थापना जमीनी स्तर पर नहीं हो पाई है। इससे प्रदेश के युवाओं और खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण खेल शिक्षा, अनुसंधान और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा है।
यदि विश्वविद्यालय शीघ्र स्थापित किया जाए तो यह राजस्थान को खेल शिक्षा और अनुसंधान का केंद्र बना सकता है। हरियाणा, पंजाब और मणिपुर जैसे राज्यों ने अपने खेल विश्वविद्यालयों और संस्थानों के माध्यम से ओलंपिक स्तर तक खिलाड़ियों को तैयार किया है, जबकि राजस्थान अब भी पिछड़ रहा है। रोनक सुमन ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना प्रदेश के युवाओं को एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगी और ओलंपिक सहित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाडी ज्यादा से ज्यादा तैयार होंगे ।
विधायक मनोज न्यांगली जी ने इस विषय को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि इस मामले को उचित मंच तक पहुँचाने के लिए पहल की जाएगी।

प्रभारी मंत्री देवासी आज जिले के प्रवास पर

बारां। राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी शनिवार को जिले के दौरे पर रहेंगे। निजी सहायक अर्जुन ने बताया कि प्रभारी मंत्री शनिवार को 3 बजे बारां पहुंकर राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण करेंगे एवं दोपहर 3:30 बजे मिनी सचिवालय सभागार, जिला कलेक्ट्रेट परिसर में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा, अतिवृष्टि प्रभावित व्यक्तियों को भुगतान एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण, गिरदावरी कार्य शीघ्र पूर्ण करने, मरम्मत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा, उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा एवं लंबित भू-आवंटन प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा बैठक करेंगे

सरकार के प्रयास से ग्रामीणों को हाथों-हाथ मिला समाधान

बारां/राजस्थान

बारां, 20 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मंशानुरूप राज्य सरकार द्वारा सेवा पर्व पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों में ग्रामीणों की पुरानी समस्याओं का समाधान कर राहत पहुंचाई जा रही है। पंचायत समिति मांगरोल की ग्राम पंचायत बमोरीकला एवं ग्राम पंचायत मऊ में आयोजित शिविरों में आवासीय मकानों के मालिकाना हक से संबंधित मामलों का निस्तारण कर लाभार्थियों को पट्टे, प्रॉपर्टी पार्सल सौंपे गए। लाभार्थी ओमप्रकाश पुत्र मथुरालाल निवासी बमोरीकला ने बताया कि आवासीय मकान के मालिकाना हक के दस्तावेज न होने से उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिविर में ग्राम पंचायत बमोरीकला शिविर प्रभारी बृजेश सिंहरा, विकास अधिकारी सुरेश गोदारा एवं सरपंच मलखान सिंह की मौजूदगी में उन्हें पट्टा प्रदान किया गया। दस्तावेज मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।

खैरथल में आंदोलन का 43वा दिन सिंधी समाज ने रैली निकालकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

खैरथल अमित शर्मा

खैरथल खैरथल तिजारा जिले का नाम और मुख्यालय परिवर्तन के विरोध में चल रहे आंदोलन का 43 वां दिन रहा शुक्रवार को खैरथल में सिंधी समाज ने झूलेलाल मंदिर से विशाल रैली निकालकर विरोध जताया सिंधी समाज की रैली मुख्य मार्गो से होती हुई धरना स्थल पर पहुंची जहां जिला कलेक्टर कार्यालय में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

बजाओ ढोल स्वागत में हमारे घर राम आए हैं.. राजा जनक ने अग्रवन में दी बड़हार की दावत तो इंद्रदेव ने वर्षा जल से प्रभु के पखारे चरण

देश का दर्पण न्यूज। उत्तर प्रदेश से संवाददाता। प्रमोद शर्मा की रिपोर्ट

आगरा। हर बार कमला नगर में आयोजित जनकपुरी महोत्सव में इंद्रदेव मूसलाधार बारिश करते हैं, इसलिए इस बार श्री जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति ने पहले ही हवन पूजन से इंद्रदेव को मना लिया। परिणाम यह रहा कि इंद्रदेव जनकपुरी के आयोजन में बिल्कुल भी नहीं बरसे लेकिन जब प्रभु राम का विवाह सकुशल संपन्न हो गया और प्रभु राम प्राणों से भी प्रिय जानकी और अपने अनुज भ्राताओं सहित ससुराल (अग्रवन) में बड़हार की दावत के लिए पधारे तो इंद्रदेव से रहा न गया और फिर इंद्रदेव ने भी वर्षा जल से प्रभु के चरण पखारे..

शुक्रवार को अग्रवन में राजा जनक राजेश अग्रवाल (रसोई रत्न) और महारानी सुनैना श्रीमती अंजू अग्रवाल द्वारा बड़हार की दावत का आयोजन किया गया। ज्यों ही बीएन अग्रवाल, संतोष गुप्ता, तपन अग्रवाल, चंद्रवीर फौजदार और विनय आगरी प्रभु के स्वरूपों को कारों में लेकर अग्रवन आए, जनक परिवार की ओर से ढोल, नगाड़ों शहनाई और नफीरी की धुन पर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया।

रेड कार्पेट पर मुंबई के कलाकारों ने प्रभु राम, माता सिया और अन्य स्वरूपों की आरती करते हुए मुख्य मंच तक अगवानी की। जैसे ही माता जानकी के साथ प्रभु राम के दिव्य दर्शन मिथिलावासियों को हुए, जयकारों के साथ छायाचित्र लेने की होड़ मच गई।

जनक परिवार द्वारा प्रभु के स्वरूपों की भाव भरे हृदय से भव्य आरती की गई। इस दौरान दीप म्यूजिक द्वारा दीपक प्रभाकर के निर्देशन में संतूर, जल तरंग, रबाब, बांसुरी और तबला सहित पांच वाद्य यंत्रों की सुंदर जुगलबंदी के साथ प्रभु राम और प्रभु कृष्ण के भजनों की रसधारा ने सबको भाव विभोर कर दिया। राजा जनक के सुपुत्र अनुराज अग्रवाल ने 'बजाओ ढोल स्वागत में हमारे घर राम आए हैं' गीत पर नृत्य प्रस्तुति से चार चाँद लगा दिए। महारानी सुनैना अंजू अग्रवाल और उनकी ननद संगीता अग्रवाल ने स्वरचित भजन 'आज मोरे अँगना सीताराम आए, स्वागत गीत मंगल गान आज गाओ री सखी' सुना कर समाँ बाँध दिया। कुलभूषण गुप्ता ने "कि भक्तो! पुष्प बरसाओ, मेरे प्रभु राम आए हैं.." भजन से सबको प्रभु भक्ति में मगन कर दिया। इधर मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहे और उधर बरातियों के सँग घराती कवर्ड हाल में बफेट की दावत और ऊपर प्रथम तल पर पत्तल की दावत के साथ-साथ बाहर के खुले प्रांगण में स्टॉल्स पर विभिन्न तरह के स्नेक्स और जलपान आदि व्यंजनों का स्वाद लेते रहे।

'भारत माता की जय' नारा के सूत्रधार अजीमुल्ला खान की 1857 की क्रांति में अहम योगदान

पटना

प्रारंभिक स्तर पर ही बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित करने के उद्देश्य से 1857 की क्रांति के क्रांतिदूत व 'भारत माता की जय' नारा के सूत्रधार अजीमुल्ला खान की जयंती राजकीयकृत उर्दू मध्य विद्यालय नरकट घाट, गुलजारबाग, पटना में काफी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण किया गया।

छात्र-छात्राओं को उनके जीवनवृत्त एवं कृतित्व से अवगत कराते हुए विद्यालय के स्नातक विज्ञान शिक्षक सूर्य कान्त गुप्ता ने बताया कि 1857 की क्रांति का अलख जगाने वाले क्रांतिदूत अजीमुल्ला खान का जन्म 17 सितंबर 1830 ई. को कानपुर में एक गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम नजीबुल्लाह एवं माता का नाम करीमन था। नजीबुल्लाह राज मिस्त्री का कार्य करते थे। बचपन में ही उनका परिवार अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हुआ। उनके पिता को अंग्रेजों ने मार डाला। बाद में वे उर्दू, फारसी, हिंदी एवं संस्कृत सीखे तथा नाना साहब के प्रधान सलाहकार, दीवान व प्रधानमंत्री बने। 1857 की क्रांति हेतु ये सभी रियासतों व सैनिकों से संपर्क साधे और उन्हें विद्रोह के लिए तैयार किया। इसलिए इन्हें क्रांतिदूत के नाम से भी जाना जाता है। इन्होंने मादरे वतन भारत की जय का नारा दिया । इन्होंने पयाम-ए-आजादी नामक अखबार निकाली, जिसमें क्रांति व विद्रोह का प्रचार-प्रसार होता था। इनका लिखा 'गीत हम हैं इसके मालिक हिंदुस्तान हमारा' विद्रोह का जोशीला गीत बना। 1857 की क्रांति में अजीमुल्ला खान का अहम योगदान रहा। विद्यालय के उपस्थित छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर उपस्थित विद्यालय के प्रधानाध्यापक एस इब्तेशाम हुसैन काशिफ, शिक्षिका प्रणय कुमारी, तालिमी मरकज सदस्या रेशमा खातून ने भी छात्र-छात्राओं को अजीमुल्ला खान के जीवन एवं कृतित्व से संबंधित विभिन्न घटनाओं के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की।

उपायुक्त ने बाबा फरीद आगमन पर्व के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

फरीदकोट, 18 सितंबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) उपायुक्त श्रीमती पूनमदीप कौर ने बाबा शेख फरीद आगमन पर्व 2025 की तैयारियों की समीक्षा हेतु अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और बताया कि पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के कारण, बाबा फरीद आगमन पर्व के अवसर पर 19 से 23 सितंबर तक केवल धार्मिक कार्यक्रम ही आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने बताया कि बाबा फरीद आगमन पर्व के दौरान हजारों श्रद्धालु फरीदकोट आते हैं, इसलिए यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए इस पुल का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुल को अस्थायी रूप से खोला गया है, जिससे आने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

उन्होंने बताया कि इस बार मेले के दौरान 19 से 23 सितंबर तक पूरे दिन लंगर की व्यवस्था रहेगी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शहर में विभिन्न स्थानों पर लंगर की व्यवस्था की जाएगी और लंगर की व्यवस्था के बाद वहां साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए ताकि कूड़े के ढेर न लगें और कूड़ेदान की व्यवस्था भी की जाए।

इस अवसर पर एसएसपी डॉ. प्रज्ञा जैन ने कहा कि पुलिस ने जिला प्रशासन के सहयोग से बाबा फरीद आगमन पर्व के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। उन्होंने जिलावासियों से सुरक्षा और यातायात को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) नवजोत कौर, एसडीएम फरीदकोट मेजर वरुण कुमार, एसडीएम जैतो सूरज, एसपी मनिंदर बीर सिंह, डीएसपी त्रिलोचन सिंह, डीईओ नीलम रानी, ??रेडक्रॉस सचिव मनदीप मोंगा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

खैरथल में 21 व 22 सितंबर को दो दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव मनाया जाएगा

खैरथल संवाददाता अमित शर्मा

खैरथल

अग्रवाल समाज खैरथल में अग्रवाल समाज के पूर्वज महाराजा अग्रसेन का जन्मोत्सव "श्री अग्रसेन जयंती" दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जाएगा।

श्री अग्रवाल सभा संस्थान खैरथल के सचिव प्रमोद सिंघानिया ने बताया कि अग्रवाल समाज के पूर्वज जहां से अग्रवाल समाज की उत्पत्ति हुई थी वो थे महाराजा अग्रसेन जिनके वंशज समस्त अग्रवाल बंधु है और महाराजा अग्रसेन का जन्मोत्सव अग्रवाल बंधु अग्रसेन जयंती के रूप में मनाते है जो शारदीय नवरात्रि स्थापना के प्रथम दिवस 22 सितंबर 2025 को मनाई जाएगी। प्रमोद सिंघानिया ने बताया कि महाराजा अग्रसेन ने 18 यज्ञ किए थे और आखिरी के 18 वें यज्ञ में पशुबली देने से इंकार कर उस यज्ञ को अधूरा छोड़ दिया और अपने राज्य में पशुबली को निषेध कर दिया, अग्रवाल समाज में 18 गोत्र प्रचलित है और महाराज अग्रसेन ने जब अग्रोहा नगर बसाया था जो वर्तमान में हिसार के पास स्थित है, महाराजा अग्रसेन का एक ईंट और एक रुपए का सिद्धांत था अर्थात जब भी कोई नया व्यक्ति उनके राज्य में आता था उसे राज्य की ओर से जमीन और वहां के नागरिकों की ओर से प्रत्येक नागरिक की ओर से एक ईंट और एक रुपए भेंट किया जाता था जिसमें प्राप्त ईंटों से वो अपना घर बना सके और प्राप्त रुपयों से अपना व्यापार कर सके इस तरह का समानता का अधिकार महाराजा अग्रसेन ने अपनाकर समाज को संदेश दिया था। महाराजा अग्रसेन ने नाग कन्या माधवी से विवाह किया था जिसके कारण आज भी अग्रवाल समाज नागों की पूजा अपना मामा मानकर नाग पंचमी को करते है और माता महालक्ष्मी महाराजा अग्रसेन की कुलदेवी है और मां लक्ष्मी का अग्रवाल समाज पर पूरा आशीर्वाद प्राप्त है और उन्हीं महाराज अग्रसेन की जयंती इस वर्ष 22 सितंबर को मनाई जाएगी। सिंघानिया ने बताया कि 21 सितंबर को सुबह 9 बजे अग्रवाल युवाओं द्वारा विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई वापस अग्रवाल भवन पहुंचेगी जिसे समाज के वरिष्ठ और संस्थान के संरक्षक मुरारीलाल मंगल हरि झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। 21 तारीख को सायं काल में अग्रवाल महिलाओं बच्चों और युवाओं के विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे जिसमें मेंहदी, रंगोली, चित्रकला, फाइन आर्ट और विभिन्न प्रकार के खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। महोत्सव के दूसरे दिन 22 सितंबर को सुबह 9 बजे अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और अग्रवाल संस्थान के मुख्य संरक्षक अशोक सिंघानिया अग्रसेन चौक पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे और उसके बाद अग्रवाल भवन में अध्यक्ष नरेश गर्ग द्वारा झंडारोहण किया जायेगा और समाज के नाम सन्देश दिया जाएगा, दोपहर 12 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें विभिन्न झांकियों के साथ अग्रसेन महाराज का रथ नगर के मुख्य मार्गों संहिता हुआ वापस अग्रवाल भवन पहुंचेगा जहां 6 बजे से अग्रवाल समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता, अध्यक्षता समाजसेवी मनोज गर्ग, अति विशिष्ट अतिथि लायंस क्लब के ऋछळ कॉर्डिनेटर और उद्योगपति अभिषेक गोयल होंगे और इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अशोक बंसल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, उद्योगपति सुनील बिंदल, उद्योगपति व समाजसेवी वीरेंद्र अग्रवाल मारुतिनंदन टेक्सटाइल, ततारपुर गौशाला के प्रधान और उद्योगपति नरेश अग्रवाल होंगे।

धान व बाजरे की खरीद को लेकर भाकियू (चढूनी) का रोष प्रदर्शन, 22 सितंबर को घेराव की चेतावनी

कैथल (कृष्ण प्रजापति): धान और बाजरे की सरकारी खरीद में हो रही देरी को लेकर भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) ने आज जिला सचिवालय कैथल पर सांकेतिक भूख हड़ताल और जोरदार प्रदर्शन किया। इस धरने की अध्यक्षता युवा प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना एडवोकेट और जिला अध्यक्ष गुरनाम सिंह फरल ने की। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस धरने में किसानों ने सरकार विरोधी नारेबाजी कर रोष जताया और एसडीएम अजय सिंह कैथल के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए विक्रम कसाना ने कहा कि केंद्र सरकार की धान खरीद नीति पुरानी हो चुकी है। पहले जहां देशी और लंबी अवधि के बीज लगाए जाते थे, वहीं अब अधिकतर किसान हाईब्रीड बीज की खेती करते हैं, जो 85-90 दिनों में तैयार हो जाते हैं। ऐसे में सितंबर के दूसरे सप्ताह से ही मंडियों में धान की आवक शुरू हो जाती है, लेकिन 1 अक्टूबर से सरकारी खरीद शुरू होने के कारण किसान औने-पौने दामों पर फसल बेचने को मजबूर हो जाते हैं। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस बार बाजरे की फसल भी समय से तैयार हो चुकी है और मंडियों में इसकी आवक शुरू हो गई है, लेकिन सरकारी खरीद प्रक्रिया शुरू न होने से किसानों को एमएसपी से काफी नीचे दामों पर निजी व्यापारियों को फसल बेचनी पड़ रही है। ऐसे हालात में किसान और गहरे आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं। भाकियू (चढूनी) ने मांग की है कि धान और बाजरे की सरकारी खरीद तुरंत शुरू की जाए और ई-शीत पूर्ति पोर्टल 30 सितंबर तक खोला जाए।

यदि सरकार ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई नहीं की, तो 22 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव या फिर जीटी रोड जाम किया जाएगा। धरने में किसान नेता महाबीर चहल, केवल सिंह सिद्धू, रणधीर बरसाना, गुरबचन हरिगढ़, सुभाष बंदराणा, नरेंद्र माघो, बलिंद्र हजवाना, सतपाल पुंडरी, मोनी सिकंदर खेड़ी, सुरेन्द्र बरटा, पिरथी कौल, कृष्ण मालखेड़ी, शीलू गोलन, नरेंद्र फरल, सुरेन्द्र प्योदा, किंदर चीका, जरनैल सिंह जैली समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

गहलोत को आदिवासी समाज के इतिहास की नहीं, सिर्फ अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता : मदन राठौड़

जयपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत का बयान ना केवल हास्यास्पद है, बल्कि उनके बौखलाए हुए मानसिकता का प्रमाण भी है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत जी की आदत है झूठ बोलकर समाज में भ्रम फैलाने की। आदिवासियों के गौरव और उनके बलिदान का सबसे अधिक सम्मान अगर किसी ने किया है, तो वह भाजपा सरकार ने किया है। मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिलाना, आदिवासी महापुरुषों को पाठ्यक्रम में शामिल करना और उनकी स्मृति में बड़े आयोजन करना झ ये सभी कार्य भारतीय जनता पार्टी की ही देन है। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि गहलोत जी की राजनीति केवल झूठ और अफवाहों पर टिकी है।आदिवासियों के नाम पर वोट बैंक की राजनीति करना कांग्रेस का पुराना चरित्र रहा है। अब जब भाजपा सरकार वास्तव में उनके गौरव को स्थापित कर रही है, तो कांग्रेस नेताओं को यह रास नहीं आ रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्पष्ट कहा कि पाठ्यक्रम में मानगढ़ या आदिवासी महापुरुषों से जुड़ा कोई भी हिस्सा ना तो हटाया गया है

फुलेरा : फुलेरा ब्लांक अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता रणजीत सारासर की नियुक्ति की गई

अणतपुरा (मोना कुमावत)

कांग्रेस पार्टी के प्रति हमेशा निष्ठा ईमानदारी निभाने वाले रणजीत सारासर को जिलाध्यक्ष लल्लू राम सैनी संभाग प्रभारी राजेन्द्र सिंह अडाणा जिला प्रभारी रमेश मीणा, प्रदेश सचिव गोरी शंकर सैनी इन की सर्व सहमति से नियुक्ति की इस दौरान फुलेरा विधायक विघाधर सिंह चौधरी , समाजसेवी नागर डीडल पचकोडिया सहित समस्त कार्यकताओं के द्वारा बधाई दी गई

महाराजा अग्रसेन सेवा सदन कमला नगर में धूमधाम से संपन्न हुआ तुलसी-सालिगराम का विवाह संस्कार

देश का दर्पण न्यूज।। उत्तर प्रदेश से संवाददाता।।। प्रमोद शर्मा की रिपोर्ट

आगरा। श्री जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति के तत्वावधान में गुरुवार को महाराजा अग्रसेन सेवा सदन कमला नगर में तुलसा जी और सालिगराम भगवान के प्रतीकात्मक विवाह संस्कार द्वारा प्रभु राम और जगत जननी माँ जानकी का विवाह संपन्न हुआ। श्री राम जय राम जय जय राम के जयकारों और मंगलम भगवान विष्णु मंगलम गरुड़ ध्वजः के मंगल स्वर के मध्य पाँच सहयोगी ब्राह्मणों के साथ पंडित वेद प्रकाश प्रचेता ने वैदिक मंत्रोच्चारों से सात फेरों सहित विवाह की सभी रस्में पूर्ण करवाईं। मिथिला नगरी के सैकड़ों बड़भागी लोग इस पुण्यदायी विवाह के साक्षी बने। सिया रामचंद्र के संग पड़न लागी भाँवरिया के मंगल स्वरों ने सबको भाव विभोर कर दिया। आभूषण, फल, मेवा सुहाग का सामान, मिठाई, वस्त्र, दक्षिणा के लिफाफे आदि सामग्री के साथ सभी में फेरी डालने और कन्यादान लेने की होड़ लगी रही। राजा जनक राजेश अग्रवाल और महारानी सुनयना अंजू अग्रवाल ने गले का हीरे का सेट, चाँदी की पायलों और पाँच साड़ियों से कन्यादान लिया, तुलसा जी के पैर पूजे और इस पुण्यदायी अवसर के लिए अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। महारानी सुनैना, श्रीमती अंजू अग्रवाल और संगीता अग्रवाल ने 'आज तुलसा को प्यारी दुल्हन बनाओ सखियो!', ' सज के चली तुलसा प्यारी', हरे बाँस मंडप छाये, सीता जी को ब्याहने सालिगराम आए.. ' और ' तुलसा तेरी मेहंदी में नाम सालिगराम का देखा है..' जैसे मंगल गीतों से विवाह उत्सव में चार चांद लगा दिये।

युवा क्रिकेटर शुभम राज सिंह के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर

जयपुर । पब्लिक हेल्थ हेल्थ ग्रुप एवं जी एच डी वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से युवा क्रिकेटर शुभम राज सिंह के जन्मदिन पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन श्री कन्या सदाचार उच्च माध्यमिक विद्यालय, बनीपार्क, आकड मार्ग, जयपुर में लगाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष अतिथि डॉ. निशा माथुर अतिथि विक्रम सिंह तंवर, मनीष सोनी के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम संयोजक संजय कुमार सिंह ने बताया कि इस शिविर में निशुल्क बीपी, शुगर जांच की गई। ब्लड मोटीवेटर जेपी बुनकर करने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं सभी से आह्वान किया कि समय-समय पर सामाजिक आयोजन करते रहना चाहिए । इस अवसर पर चेतन शर्मा, दिनेश शर्मा, शैलेंद्र माथुर, शिवम राज सिंह, कृष्ण दास बाबू (निधि केटर्स जयपुर), रवि कश्यप, कुशाल वर्मा, रूपाली राव रक्तदान शिविर में 21 यूनिट हुआ

हैवी ट्रैफिक के डिजाइन अनुसार नहीं बन पा रही सड़कें, समय से पहले टूटने से फील्ड के अधिकारियों पर उठ रहे लगातार सवाल

कैथल (कृष्ण प्रजापति)

हरियाणा में सड़कों की मजबूती और क्वालिटी को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालात यह हैं कि अधिकांश सड़कें 20 एमएम की लेयर में बनाई जा रही हैं, जबकि उन पर ट्रैफिक का दबाव और हैवी लोड कहीं अधिक है। लिंक रोड पर तो स्थिति और भी गंभीर है। यहां भारी वाहनों की आवाजाही के चलते सड़कें समय से पहले ही टूटने लगती हैं। लोगों की शिकायत रहती है कि फील्ड स्टाफ के पास उनके सवालों का कोई ठोस जवाब नहीं होता। सड़कों का जल्दी-जल्दी टूटना और बार-बार पैचवर्क की नौबत आना सीधे तौर पर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब ट्रैफिक का दबाव और लोड बढ़ रहा है तो सड़क डिजाइन भी उसी हिसाब से किया जाना चाहिए। फिलहाल जो निर्माण हो रहा है, वह ट्रैफिक के लोड के हिसाब से नहीं है, यही वजह है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़कें टिकाऊ नहीं रह पातीं।

कैथल ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा में यही स्थिति है। सड़कों की जल्द खराब हालत फील्ड अधिकारियों के लिए सिरदर्द और जनता के लिए परेशानी का सबब बन चुकी है। अब जरूरत है कि विभाग के उच्च अधिकारी और मंत्री रणबीर सिंह गंगवा इस ओर गंभीरता से ध्यान दें और ट्रैफिक के अनुसार सड़क डिजाइन तैयार करवाएं। जनता की अपेक्षा है कि मुख्यमंत्री, मंत्री और विभागीय उच्च अधिकारी इस मुद्दे पर जल्द कदम उठाएं ताकि सड़कों की गुणवत्ता में सुधार हो और लोगों को राहत मिल सके।

विशेष कमेटी बनाकर हो सड़क डिजाइन की निगरानी

हरियाणा में सड़कों की स्थिति लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। अधिकतर सड़कें हैवी ट्रैफिक का दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं और समय से पहले ही टूट जाती हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक है कि सरकार और विभागीय उच्च अधिकारी एक विशेष कमेटी का गठन करें। यह कमेटी सड़कों के डिजाइन कार्य, टेंडर प्रक्रिया और गुणवत्ता की गहन जांच करे। कोई ऐसा प्रावधान किया जाए कि माइनस में टेंडर न छूटे, ये सुनिश्चित किया जाए कि सड़को का निर्माण ट्रैफिक लोड के हिसाब से हो। कोई भी सड़क बिना ट्रैफिक सर्वे के न बनाई जाए।

विश्वकर्मा जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में आयोजकों के साथ ही हुआ भद्दा मजाक : राजेंद्र

कैथल (कृष्ण प्रजापति): ओबीसी बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने कहा कि बुधवार को रोहतक में आयोजित हुई भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भगवान विश्वकर्मा के वंशजों के साथ जिस तरह की बेईज्जती की गई, वो अपने आप में एक घटियापन का उदाहरण है। जयंती के आयोजक रामचंद्र जांगड़ा जो लगभग दो महीनों से समाज में घूम-घूमकर जयंती का प्रचार कर रहे थे, उस आयोजक की तस्वीर भी मंच के बैनर पर नहीं लगाई गई और द्वार पर जो बैनर लगता है, उस पर भी नहीं लगाई गई। जांगड़ा समाज के अध्यक्ष खुशीराम जांगड़ा को भी मंच के माध्यम से नहीं बोलने दिया गया तथा ना ही पिछड़ा वर्ग के अन्य नेताओं को मंच पर बोलने दिया गया। तंवर ने कहा कि कसूर पार्टी का नही है, कसूर पिछड़े वर्ग के उन नेताओ का है जो सरकार में बैठे हुए है, परंतु इतनी बेइज्जती होने के बावजूद आवाज नहीं उठाते क्योंकि उनका नेतृत्व कमजोर है। राजेंद्र तंवर ने कहा कि इन नेताओं में इतनी हिम्मत ही नहीं है कि वो अपने समाज की हकों की लड़ाई के लिए आवाज उठा सकें। मंच पर पिछड़ा वर्ग समाज के किसी भी मुद्दे को मुख्यमंत्री द्वारा नहीं छुआ गया, यहां तक कि पिछड़ा वर्ग समाज की जीवनरेखा से जुड़े मुद्दे तो नहीं उठाए गए, लेकिन जातियों के नाम पर पैसे जरूर बांटे गए।

निधि मोहन ने युवाओं से किया सांसद खेल महोत्सव 2025 में भाग लेने का आह्वान

पुंडरी (कृष्ण प्रजापति)

भारतीय जनता पार्टी महिला जिला सचिव निधि मोहन ने युवाओं और खेल प्रेमियों से सांसद खेल महोत्सव 2025 में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर आयोजित किया जा रहा है। यह केवल खेल प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि खेल, ऊर्जा और भाईचारे का जश्न है। निधि मोहन ने कहा कि खेलेगा कुरुक्षेत्र, बढ़ेगा भारत, फिट युवा, विकसित भारत का संकल्प इस महोत्सव के केंद्र में है। इस आयोजन से न केवल खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि युवाओं में नई ऊर्जा और समाज में आपसी भाईचारे को भी बढ़ावा मिलेगा।

'रिवाइज्ड जीएसटी का इम्पैक्ट और उसके नए बेनिफिट्स का प्रभाव' सत्र से मिला महिला उद्यमियों को लाभ : प्रीति सक्सेना

जयपुर, 18 सितम्बर। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं और अब व्यापार जगत भी इसमें अपवाद नहीं है। वित्तीय स्वतंत्रता और काम और जीवन संतुलन की चाह ने कई महिलाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित किया है। इसी दिशा में बिजनेस सर्कल इंडिया (बीसीआई), जयपुर चैप्टर महिलाओं के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभर रहा है, जो न केवल अवसर उपलब्ध कराता है बल्कि सही मार्गदर्शन और नेटवर्किंग का भी मंच देता है। बीसीआई के संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया कि इसी कड़ी में महिला उद्यमियों और नए कारोबारियों को जानकारी देने के उद्देश्य से बीसीआई जयपुर ने एक विशेष सत्र 'रिवाइज्ड जीएसटी का इम्पैक्ट और उसके नए बेनिफिट्स का प्रभाव' का आयोजन किया गया। असिस्टेंट कमिश्नर (एसीटीओ), कमर्शियल टैक्स डिपार्टमेंट, राजस्थान सरकार, प्रीति जागरवाल ने संशोधित जीएसटी और उसके नए लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छोटे व्यापारियों, विशेषकर महिलाओं के लिए अब रिटर्न फाइलिंग की प्रक्रिया और आसान हो गई है। कई आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर टैक्स दरों में कमी आई है, जिससे टिफिन सर्विस, बेकरी, हेल्थ वेलनेस और ऑनलाइन रिटेल जैसे छोटे व्यवसायों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा इनपुट टैक्स क्रेडिट का बेहतर लाभ मिलने से लागत घटेगी और मुनाफा बढ़ेगा। डिजिटल कारोबार और ई-कॉमर्स के लिए नियम पारदर्शी होने से घर से काम करने वाली महिला उद्यमियों को और अवसर मिलेंगे। स्टार्टअप्स के लिए टैक्स में छूट और सरल रजिस्ट्रेशन जैसी सुविधाएँ भी महिलाओं को नए बिजनेस की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

इस महत्वपूर्ण सत्र में संरक्षक, हिम्मत सिंह, सलाहकार अजय अग्रवाल, सुभाष गोयल, सुरेश सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम.एम. पालीवाल, महासचिव वीरेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष शुभम शर्मा, राहुल इंदुलकर, ममता पंचोली, रवीना श्रीवास्तव, आशीष गोयल, अंजली गहलोत, साक्षी जैन, तरुण मालवीय, सलील भार्गव, सुमित गर्ग, शालिनी कूलवाल, पियूष शाह ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में मंधाना ने जड़ा भारत के लिए दूसरा सबसे तेज़ शतक

एजेंसी

मुल्लांपुर। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे में रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलते हुए भारत के लिए दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़ा। इस दौरान कई रिकॉर्ड उनके बल्ले से ध्वस्त हो गए। मंधाना, जो एक दिन पहले ही महिला वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में नंबर-1 बनी थीं, ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखा। भारत को पहले बल्लेबाज़ी का मौका मिला और मंधाना ने ताबड़तोड़ अंदाज़ में बल्लेबाज़ी करते हुए अपने वनडे करियर का 12वां शतक पूरा किया। उन्होंने इंग्लैंड की टैमी ब्यूमॉन्ट की 12 शतकों की बराबरी कर ली, हालांकि मंधाना ने यह उपलब्धि मात्र 106 पारियों में हासिल की जबकि ब्यूमॉन्ट ने इसके लिए 130 पारियां ली थीं। मैच में 29वें ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़ते ही मंधाना ने सिर्फ 77 गेंदों में शतक पूरा किया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में दूसरा सबसे तेज़ शतक है। यह भारत की ओर से भी दूसरा सबसे तेज़ शतक है, जो उनके ही नाम दर्ज है, जो उन्होंने इस साल राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ 70 गेंदों पर जड़ा था।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

टोक्यो। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा चैंपियन नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के पुरुष भाला फेंक (जैवलिन थ्रो) इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। हुए क्वालीफिकेशन राउंड में नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में बिना किसी कठिनाई के फाइनल का टिकट कटाया। उन्होंने 84.50 मीटर की क्वालीफिकेशन मार्क को पार करते हुए 84.85 मीटर तक भाला फेंका और ग्रुप-ए में तीसरे स्थान पर रहे। नीरज के प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर ने शानदार 87.21 मीटर की थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनाई, जबकि पोलैंड के डेविड वेगनर ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 85.67 मीटर के प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, गोल्ड के प्रबल दावेदार याकुब वाडलेजक 84.11 मीटर के सीज़न बेस्ट प्रयास के बावजूद स्वचालित क्वालीफिकेशन मार्क से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे। भारत के ही सचिन यादव ने भी क्वालीफाई करने की कड़ी कोशिश की। उन्होंने पहले प्रयास में 80.16 मीटर थ्रो किया, जिसे सुधारते हुए दूसरे प्रयास में 83.67 मीटर तक पहुंचे। आखिरी प्रयास में उन्होंने 82.63 मीटर की दूरी तय की और ग्रुप-ए में छठे स्थान पर रहे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती बने नंबर-1 गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। एशिया कप (यूएई) में किफायती गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने यह उपलब्धि अपने नाम की। 34 वर्षीय चक्रवर्ती यह मुकाम पाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई नंबर-1 की कुर्सी पर बैठ चुके हैं। चक्रवर्ती ने यूएई के खिलाफ दो ओवर में केवल चार रन देकर एक विकेट और पाकिस्तान के खिलाफ चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट झटका। इसके दम पर वे तीन स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष पर पहुंचे। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ा, जो मार्च से नंबर-1 पर थे। एशिया कप में अन्य गेंदबाज़ों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। श्रीलंका के नुवान तुषारा छह स्थान चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए। पाकिस्तान के सुफियान मुक़ीम चार स्थान की बढ़त के साथ 11वें, अबरार अहमद 11 स्थान की छलांग के साथ 16वें और भारत के अक्षर पटेल 12वें व कुलदीप यादव 23वें नंबर पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के नूर अहमद आठ स्थान की बढ़त के साथ 25वें स्थान पर हैं। तेज़ गेंदबाज़ों में जसप्रीत बुमराह (चार स्थान ऊपर, 40वें), बांग्लादेश के तंज़ीम हसन (पांच स्थान ऊपर, 42वें), इंग्लैंड के जोफ़्रा आर्चर (तीन स्थान ऊपर, 13वें) और दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसन (पांच स्थान ऊपर, 38वें) ने भी प्रगति की है।

चाइना मास्टर्स 2025: सात्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम-16 में, लक्ष्य सेन बाहर

नई दिल्ली। शेनझेन में खेले जा रहे चाइना मास्टर्स (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750) टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। खेले गए मुकाबले में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को सीधे गेमों में 24-22, 21-13 से मात दी। यह मैच 42 मिनट तक चला। इससे पहले दोनों जोड़ियों की भिड़ंत पिछले हफ्ते हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी, जहां भारतीय जोड़ी ने तीन गेमों में जीत दर्ज की थी। अब अगले दौर में सात्विक-चिराग का सामना चीनी ताइपे के चिउ शियांग चिएह और वांग ची-लिन की जोड़ी से होगा। वहीं, पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन का सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया। हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव ने 21-11, 21-10 से केवल आधे घंटे में हराया। भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। उन्हें चीन की फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की जोड़ी ने 21-19, 21-13 से शिकस्त दी।

फुटबॉल टूर्नामेंट समिति का प्रतिनिधिमंडल विधायक सुधीर शर्मा से मिला

एजेंसी

धर्मशाला। ऑल इंडिया शहीद मेजर दुर्गा मल्ल, कैप्टन दल बहादुर थापा गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट समिति का एक प्रतिनिधिमंडल वीरवार सुबह धर्मशाला के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुधीर शर्मा से उनके निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने समिति की ओर से सुधीर शर्मा को उनके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समिति ने कहा कि वर्षों से सुधीर शर्मा द्वारा इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को सहयोग मिलता रहा है, जिससे हमारे अमर शहीदों के नाम को खेल भावना के माध्यम से जीवित रखने में अपार मदद मिली है। यह उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट का रिश्ता शर्मा परिवार से 1989 से ही जुड़ा हुआ है। जब इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण गोरखा युवा संगठन एवं जिला फुटबॉल संघ, कांगड़ा द्वारा आयोजित किया गया था,

उस समय सुधीर शर्मा के पिता स्वर्गीय पंडित संत राम (तत्कालीन कैबिनेट मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार) ने इस कार्य हेतु समिति को विशेष सहयोग दिया था। यह परंपरा आज भी निरंतर जारी है। समिति ने इसके लिए पूरे शर्मा परिवार का आभार प्रकट किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पालम जंग प्रधान की अगुवाई में समिति ने विधायक के साथ विस्तृत चर्चा की और सुझाव साझा किए कि किस प्रकार इस टूर्नामेंट को और अधिक राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाए तथा इसके मानकों को और ऊंचा उठाया जाए। इस अवसर पर विधायक सुधीर शर्मा ने आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में धर्मशाला में कम-से-कम दो विश्व स्तरीय फुटबॉल ग्राउंड तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल फुटबॉल बल्कि अन्य खेलों में भी अपार प्रतिभा से भरपूर है, किंतु अब तक विश्व स्तरीय खेल अधोसंरचना का अभाव रहा है। धर्मशाला और इसके आस-पास का मौसम यूरोपीय देशों जैसा है, जो फुटबॉल जैसे खेल के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला को विश्व स्तरीय खेल नगरी बनाने के लिए सभी खेल संगठनों को एक छत्रछाया में लाकर साझा प्रयास करना आवश्यक है। इस दिशा में वे शीघ्र ही एक खेल रोडमैप तैयार करेंगे और इसके लिए सभी खेल संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके विचारों को भी शामिल किया जाएगा।

प्रतापगढ़ में राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ

एजेंसी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में बास्केटबॉल संघ के समन्वय से राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल कार्यालय में किया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने किया। प्रतियोगिता का पहला मैच अलीगढ़ मंडल और मिर्जापुर मंडल के बीच खेला गया। जिसमें मिर्जापुर ने 06 के मुकाबले 26 अंक अर्जित करके मैच को अपने नाम किया। अत्यधिक बारिश के कारण सुबह सत्र के बाकी मैच नहीं हो सके। सायंकालीन सत्र दूधिया रोशनी में खेले जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला ने किया। इस मौके पर डॉक्टर शाहिदा प्रबंधक एंजिल्स इंटर कॉलेज, सेवानिवृत क्रीड़ाधिकारी एम एच चौधरी, जिला व्यायाम शिक्षिका मंजू सिंह, राम शिरोमणि सिंह अंतरराष्ट्रीय निर्णायक वॉलीबॉल, समाजसेवी डॉक्टर शमीम, दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ

शैलेन्द्र मिश्रा, राष्ट्रीय निर्णायक विनोद यादव वॉलीबॉल, आत्रेय अकादमी के खेल शिक्षक विनीत मिश्रा,समाजसेविका शकुंतला शुक्ला, एथलेटिक्स प्रशिक्षक शोभनाथ यादव, खेलो इंडिया हॉकी प्रशिक्षक आशुतोष सिंह, कुश्ती प्रशिक्षक अरविंद कुमार, कबड्डी प्रशिक्षक जेपी यादव ,फुटबॉल प्रशिक्षक बुद्ध प्रकाश,जिला क्रिकेट के आयोजन सचिव दुर्गेश तिवारी,जिम ट्रेनर विक्रम सिंह, निखिल राणा उपस्थित रहे।

नेपाल के खिलाफ वेस्टइंडीज टी20 टीम में पांच नए चेहरे, अकील होसैन होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने नेपाल के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज़ के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। नियमित कप्तान शाई होप सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। टीम की कमान पहली बार लेफ्ट-आर्म स्पिनर अकील होसैन को सौंपी गई है। टीम में शामिल पांच नए खिलाड़ी, टॉप ऑर्डर बल्लेबाज़ अकीम ऑगस्टे, ऑलराउंडर नवीन बिदाईसी, लेग स्पिनर ज़िशान मोटारा, लेफ्ट-आर्म तेज़ गेंदबाज़ रैमॉन सिमंड्स और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ अमीर जंगू हैं। इनके अलावा बल्लेबाज़ करीमा गोर को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अमेरिका के लिए आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं, लेकिन वेस्टइंडीज के लिए अब तक पदार्पण नहीं किया है। करीमा गोर ने चल रही कैरेबियन प्रीमियर लीग में अपनी फ्रेंचाइज़ी एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स के लिए 11 मैचों में 219 रन बनाए और चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

अनुभवी खिलाड़ियों में फैबियन एलन, जेसन होल्डर और काइल मेयर्स भी टीम का हिस्सा हैं। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 में वेस्टइंडीज 'ए' टीम नेपाल दौरे पर गई थी, जहां मेज़बानों ने सीरीज़ हारने के बावजूद दो मैचों

में जीत दर्ज की थी। सीरीज़ का पहला टी20 मैच 27 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 29 और 30 सितंबर को शारजाह में होंगे।

वेस्टइंडीज टीम (नेपाल टी20 सीरीज़ के लिए):

अकील होसैन (कप्तान), फैबियन एलन, ज्वेल एंड्रयू, अकीम ऑगस्टे, नवीन बिदाईसी, जेडियाह ब्लेड्स, केसी कार्टी, करीमा गोर, जेसन होल्डर, अमीर जंगू, काइल मेयर्स, ओबेद मैककॉय, ज़िशान मोटारा, रैमॉन सिमंड्स और शमार स्प्रिंगर।

पीकेएल-12 : दबंग दिल्ली केसी की शानदार वापसी, तेलुगू टाइटंस पर जीत के साथ शीर्ष पर पहुंची

एजेंसी

जयपुर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-12 में दबंग दिल्ली केसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार छठी जीत दर्ज की। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में दिल्ली ने तेलुगू टाइटंस को 33-29 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

इस जीत में दिल्ली के डिफेंडरों ने कमाल दिखाया। टीम ने डिफेंस से 15 अंक जुटाए। कप्तान फजल अतराचली और सौरव नांदल ने हाई-5 पूरे किए, जबकि नीरज (9) और अक्षित (3) ने सुपर रेड लगाकर टीम को आगे बढ़ाया। हालांकि स्टार रेडर आशू मलिक का प्रदर्शन फीका रहा और वे सिर्फ 2 अंक ही जुटा सके। तेलुगू टाइटंस के लिए विजय मलिक (5 अंक) सबसे सफल खिलाड़ी रहे। डिफेंस में अजीत पवार ने चार अंक लिए। यह टाइटंस की आठ मुकाबलों में चौथी और लगातार तीसरी हार है।मुकाबले की शुरुआत टाइटंस ने जोरदार की और स्कोर 4-0 कर लिया। दिल्ली का खाता सुरजीत ने पहली डू-ऑर-डाई रेड पर खोला। और सौरव के बेहतरीन टैकल से दिल्ली ने टाइटंस को आलआउट कर 20-19 से बढ़त बना ली। इसके बाद टीम ने बढ़त को बनाए रखा। अंत में अक्षित की सुपर रेड ने दिल्ली की जीत पक्की कर दी।इस जीत के

इसके बाद दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। हाफटाइम तक टाइटंस 14-9 से आगे थे। दूसरे हाफ में दिल्ली ने दमदार वापसी की। नीरज की सुपर रेड साथ दबंग दिल्ली केसी अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई है और टीम का आत्मविश्वास सीजन के अगले मुकाबलों के लिए और मजबूत हुआ है।

एशिया कप 2025: एक बार फिर भारत के सामने होगा पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। दुबई में एशिया कप के लिए बेहद असामान्य रहा। लंबे समय तक ऐसा लगा मानो मैदान पर कोई खेल ही नहीं होगा। मैच निर्धारित समय से एक घंटे देर से शुरू हुआ और शुरुआत में यूएई टीम सुपर फोर में पहुंचने की प्रबल दावेदार नजर आई। बावजूद इसके, अंततः पाकिस्तान ने रोमांचक मुकाबले में बाज़ी मार ली और 21 सितंबर को भारत के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले को सुनिश्चित कर दिया। दोपहर में पाकिस्तान टीम होटल में बैठी रही, लाहौर से हरी झंडी का इंतजार करती हुई। मैदान पर भी हालात कुछ बेहतर नहीं थे। पाकिस्तान 114/7 के संकट में था, लेकिन शाहीन अफरीदी की 14 गेंदों पर 29 रन की पारी ने टीम को 146 तक पहुंचाया। यह स्कोर परिस्थितियों के लिहाज से छोटा माना जा रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाज़ी और

दमदार फील्डिंग से इसे जीत में बदल दिया। फखर ज़मान (50) ने पारी को संभाला, जबकि हरिस रऊफ ने वापसी करते हुए दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। वहीं मोहम्मद नवाज़ की फुर्तीली फील्डिंग और शानदार कैच ने मैच का रुख बदल दिया। पाकिस्तान ने यूएई की टीम को अंतिम ओवरों में ध्वस्त कर दिया और मात्र 20 रन के भीतर छह विकेट झटके। यूएई के गेंदबाज़ जुनैद सिद्दीक़ी (चार विकेट) और स्पिनर सिमरनजीत सिंह ने कड़ी चुनौती दी थी। कप्तान मोहम्मद वसीम ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और एसोसिएट राष्ट्रों के लिए सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बने। हालांकि उनकी पारी टीम को जीत तक नहीं ले जा सकी। पाकिस्तान का 146/9 का स्कोर अब एशिया कप में तीसरा सबसे कम सफलतापूर्वक बचाया गया लक्ष्य बन गया है।

शाहीन अफरीदी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया और आखिरकार पाकिस्तान सुपर फोर में पहुंच गया। अब अगली बड़ी परीक्षा भारत के खिलाफ है, जो इस टूर्नामेंट की असली कसौटी साबित होगी।

नीदरलैंड के अनीश गिरि नें जीता फीडे ग्रांड स्विस कैंडिडेट में बनाई जगह

एजेंसी

समरकंद, उज्बेकिस्तान। फीडे ग्रांड स्विस 2025 में पुरुष वर्ग का खिताब नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अपने नाम कर लिया है साथ ही उन्होने फीडे कैंडिडेट में अपना स्थान पक्का कर लिया है । अनीश नें रोमांचक मुक़ाबले में यूएसए के नीमन हंस मोके को पराजित करते हुए 8 अंक बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया वहीं 7.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर जर्मनी के माथियस ब्लूबम नें दूसरा स्थान हासिल किया और फीडे कैंडिडेट में जगह बना ली वहीं 7.5 अंक बनाने

वाले फ्रांस के अलीरेजा तीसरे स्थान पर रहे पर कैंडिडेट में जगह बनाने से चूक गए । भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरीगैसी और जर्मनी के विंसनेट केमर के बीच , पांचवें बोर्ड पर निहाल सरीन और फ्रांस के मकसीम लागरेव के बीच और सातवें बोर्ड पर विदित गुजराती और यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा के बीच बाजी बेनतीजा रही और भारतीय खिलाड़ियों में से कोई भी इस बार कैंडिडेट में ग्रांड स्विस के जरिये जगह नहीं बना पाया । अंक तालिका में 7 अंक बनाकर अर्जुन छठे निहाल नौवे और विदित 15वें स्थान पर रहे । प्रज्ञानन्दा अपना आखिरी मैच ड्रॉ खेलकर 35वें स्थान पर रहे । वहीं बेहद खराब लय से जूझने के बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश अपने आखिरी मैच में जीतकर 6 अंक बनाकर 41वें स्थान पर रहे । पुरुष वर्ग में फीडे कैंडिडेट में अब तक यूएसए के फबियानों करूआना , अनीश और ब्लूबम पहुँच गए है जबकि तीन स्थान अगले माह भारत में होने जा रहे विश्व कप से , एक स्थान फीडे की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग से और एक फीडे सर्किट 2025 के विजेता से भरा जाएगा ।

स्मृति मंधाना के शतक के बाद गेंदबाजों की धार, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से हराया

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शानदार शतक और गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। यह ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की वनडे इतिहास में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है और पहली बार उन्हें 100 से अधिक रन के अंतर से शिकस्त झेलनी पड़ी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 49.5 ओवर में 292 रन बनाकर आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 40.5 ओवर में 190 रन पर सिमट गई। अब सीरीज का फैसला 20 सितंबर को होने वाले तीसरे वनडे में होगा भारत की ओर से स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने

दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। 12वें ओवर में रावल आउट हो गईं, लेकिन मंधाना ने दूसरे छोर से आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने मात्र 77 गेंदों पर शतक जड़ा, जो उनके करियर का 12वां वनडे शतक और भारतीय महिला क्रिकेट की ओर से दूसरा सबसे तेज शतक रहा। मंधाना ने 91 गेंदों पर 117 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 4 छक्के शामिल थे। गेंदबाजी में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया की मजबूत बैटिंग लाइन-अप को उन्होंने लगातार झटके दिए और किसी भी साझेदारी को लंबा नहीं चलने दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी टीम 190 रन पर ढेर हो गई और भारत ने यादगार जीत दर्ज की।

पुंछ के बलनोई बेस पर मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैचः खेल भावना और सामुदायिक भावना का उत्सव

एजेंसी

पुंछ। बलनोई बेस ग्राउंड पर एक मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जिसमें आस-पास के गाँवों की स्थानीय टीमों ने खेल भावना, प्रतिस्पर्धा और सौहार्द के एक रोमांचक दिन का आनंद लिया। इस आयोजन में खिलाड़ियों की सक्रिय भागीदारी और स्थानीय निवासियों के उत्साहपूर्ण समर्थन ने इसे एक शानदार सफलता बना दिया। भारतीय सेना की आउटरीच पहल का हिस्सा रहे इस वॉलीबॉल मैच का उद्देश्य सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों के बीच एक स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देना था। यह मैच मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा की भावना से आयोजित किया गया फिर भी इसने सभी प्रतिभागियों के उच्च स्तर के कौशल, समर्पण और खेल भावना को प्रदर्शित किया। मैच की शुरुआत भारतीय सेना द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई और स्थानीय टीमों का समर्थकों ने ज़ोरदार जयकारों और तालियों से स्वागत किया। आस-पास के गाँवों की टीमों ने रोमांचक सेटों की एक श्रृंखला में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की जिसमें प्रत्येक टीम ने प्रभावशाली समन्वय, चपलता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों ने जबर्दस्त उत्साह और जोश दिखाया जिससे माहौल ऊर्जा और उत्साह से भर गया। भारतीय सेना के जवानों ने भी इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया जिससे सुचारू समन्वय सुनिश्चित हुआ और इस अवसर को सभी के लिए और भी आनंददायक बना दिया। उनकी भागीदारी ने इस आयोजन में एकता और एकजुटता की भावना को और बढ़ाया जो सशस्त्र बलों और स्थानीय समुदाय के बीच घनिष्ठ संबंधों का उदाहरण है। अंतिम सेट के समापन पर खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और खेल की सच्ची भावना-सम्मान, टीम वर्क और आपसी प्रशंसा-पर ज़ोर दिया। आयोजन का समापन खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ हुआ और प्रत्येक टीम के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों को विशेष सम्मान दिया गया। अपने समापन भाषण में भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों की उत्साही भागीदारी और खेल भावना की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देते हैं बल्कि स्थानीय समुदाय और सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को भी मज़बूत करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से जेमिमा रोड्रिग्स बाहर, तेजल हसबनीस टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में बड़ा झटका लगा है। स्टार मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स वायरल इंफेक्शन और कमजोरी के चलते शेष सीरीज से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह तेजल हसबनीस को टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के सीरीज से बाहर होने की जानकारी दी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम लगातार रोड्रिग्स की सेहत पर नजर रखेगी। दो हफ्ते बाद शुरू होने वाले आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 को ध्यान में रखते हुए उम्मीद की जा रही है कि रोड्रिग्स तब तक पूरी तरह फिट हो जाएंगी। हसबनीस अब तक खेले गए छह वनडे मैचों में 46.66 की औसत से रन बना चुकी हैं। पहले वनडे में जेमिमा रोड्रिग्स ने 18 रन बनाए थे और भारतीय टीम को 281/7 का स्कोर दिलाने में योगदान दिया था। हालांकि, स्मृति मंधाना (आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग की नंबर-1 खिलाड़ी), प्रतीका रावल और हरलीन देओल के अर्धशतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की ओर से फीबी लिचफील्ड और बेथ मूनी ने शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की इस सीरीज का दूसरा वनडे आज मुल्लांपुर में खेला जा रहा है।

आठ भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। आठ भारतीय निशानेबाजों ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप फाइनल 2025 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो 04 से 09 दिसंबर तक कतर की राजधानी दोहा में होगा। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, एकमात्र भारतीय निशानेबाज़ हैं जिन्होंने दो इवेंट्स, महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और महिला 25 मीटर पिस्टल, में जगह बनाई है। यह साल का अंतिम आईएसएसएफ टूर्नामेंट होगा, जिसमें 12 व्यक्तिगत ओलंपिक इवेंट्स के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज़ों का चयन होता है। भारतीय निशानेबाज़ों ने उन 12 इवेंट्स में से पांच में क्वालीफाई किया है, जो दोहा में होने वाले इस सीज़न-एंडिंग प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे। यह आईएसएसएफ प्राइज मनी इवेंट भी है। मनु भाकर के अलावा भारत की अगुवाई किशोरी सुरुचि सिंह करेंगी, जो इस साल की शूटिंग सनसनी साबित हुईं। उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में लगातार ब्यूनस आयर्स, लीमा और म्यूनिख में तीन स्वर्ण पदक जीतकर न केवल दोहा में जगह बनाई, बल्कि इस समय महिला एयर पिस्टल में विश्व नंबर-1 रैंक भी हासिल कर ली है।

ओलंपियन ईशा सिंह ने भी चीन के निंगबो में चौथे और अंतिम आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में स्वर्ण जीतकर महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में क्वालीफाई किया। अन्य क्वालीफाई करने वालों में पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बलासाहेब पाटिल शामिल हैं, जिन्होंने ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण जीतकर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल में स्थान पक्का किया। वहीं ओलंपियन अर्जुन बाबुता ने लीमा में रजत पदक हासिल कर इसी इवेंट में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की। एशियाई चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्त

कौर समरा ने ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण जीतकर महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन (3पी) इवेंट में क्वालीफाई किया। ओलंपियन विजयवीर सिद्धू ने भी उसी स्थान पर शानदार स्वर्ण जीतकर पुरुष 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल में जगह बनाई।

भारत की सिमरनप्रीत कौर बरार ने लीमा में रजत पदक जीतकर महिला 25 मीटर पिस्टल में क्वालीफाई किया। चीन की सुन युजिये पहले ही ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण के जरिए अपनी जगह सुनिश्चित कर चुकी थीं, जिससे सिमरनप्रीत को एंट्री मिली।

आईएसएसएफ ने वर्ल्ड कप फाइनल 2025 के लिए पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि की भी घोषणा की है। स्वर्ण विजेताओं को ₹5,000, रजत विजेताओं को 4,000 यूरो और कांस्य विजेताओं को 2,000 यूरो दिए जाएंगे। इन क्वालीफिकेशन के अलावा भारतीय एथलीटों के पास अभी भी दोहा फाइनल्स में जगह बनाने का मौका रहेगा, जब वे अक्टूबर और नवंबर में क्रमशः एथेंस (ग्रीस) में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप शॉटगन और काहिरा (मिस्र) में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल में हिस्सा लेंगे। राइफल/पिस्टल के चार वर्ल्ड कप चरणों–ब्यूनस आयर्स, लीमा, म्यूनिख और निंगबो के साथ-साथ साइप्रस के निकोसिया और इटली के लोनेटो में आयोजित शॉटगन वर्ल्ड कप्स में भारत का अभियान इस साल अब तक का सबसे सफल रहा। भारतीय निशानेबाज़ों ने राइफल, पिस्टल और शॉटगन इवेंट्स में कुल 22 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य शामिल हैं। इसके साथ ही भारत समग्र तालिका में दूसरे स्थान पर रहा, जिसने एक बार फिर यह साबित किया कि वह दुनिया की सबसे मज़बूत शूटिंग राष्ट्रों में से एक है।

बोरिंग खाने की चीजें नहीं, टिफिन में भेजें ये टेस्टी फूड्स, बच्चा मांगेगा दोबारा

रोजाना मम्मियां इसी दुविधा में रहती हैं कि आज बच्चे को टिफिन में ऐसा क्या दें जो बच्चा पूरा फिनिश करके आए. अगर आप भी इस परेशानी से जूझ रही हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है. यहां हम आपको कुछ ऐसी रेसिपी बता रहे हैं, जिसे खाने के बाद बच्चा दोबारा जरूर मांगेगा.

क्या आपका बच्चा भी खाने में नखरें करता है?ज्अगर ऐसा है तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है. कुछ बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल में खाना ही नहीं खाते हैं. मम्मियां सुबह उठकर बच्चे के लिए लंच तैयार करती हैं. लेकिन बच्चा बिना अपना लंच फिनिश किए है घर आ जाता है, जिससे बच्चे की हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है. ऐसे बच्चे को लेकर माएं भी काफी परेशान रहती हैं कि आखिर बच्चे को ऐसा क्या दें जो वो मजे से खा ले.

अगर आप भी हर सुबह इसी दुविधा में रहती हैं तो हम आपके लिए बच्चों को टिफिन में देने के लिए कुछ रेसिपीज लेकर आए हैं. ये बनाने में भी आसान है और बच्चों को पसंद भी आएंगी. जो बच्चा स्कूल में अपना टिफिन नहीं खाता है वो भी इन चीजों को देखकर झटपट अपना लंच खत्म कर लेगा. तो चलिए आपको बताते हैं ऐसी ही कुछ टेस्टी और हेल्दी डिशेज.

पोहा कटलेट करें ट्राई

पोहा कटलेट खाने में टेस्टी और हेल्थी होते हैं. इसे बनाना भी काफी आसान है. इसके लिए आप सबसे पहले एक पेन में ऑयल गर्म करें और उसमें बारीक कटे प्याज, उबले हुए आलू और अपनी पसंद की सब्जियां एड करें. इसमें भीगा हुआ पोहा डालें और कुछ मसाले डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. ठंडा होने के बाद इसको टिक्टी की शेप दें या आप चाहें तो अपनी पसंद की कोई भी शेप दे सकते हैं. टमाटर सॉस के साथ बच्चे को टिफिन में दें.

टेकोस भी है अच्छा ऑप्शन

बच्चों को फास्ट फूड्स काफी पसंद होते हैं. आप उन्हें फास्ट फूड्स के स्टाइल में हेल्दी चीजें खिला सकती हैं. जिसके लिए टेकोस एक अच्छा ऑप्शन है. इसके लिए आपको चाहिए गेंहू के आटे की एक रोटी बना लें और उसमें सीजनल सब्जियों को सोटे करके फिल करें. इसके साथ आप कुछ सॉस भी लगा सकती हैं, जो बच्चे को पसंद हो. ये दिखने में भी अट्रैक्टिव लगेंगे और खाने में मजेदार भी.

वेज रोल बनाकर दें

अगर आपका बच्चा सब्जियां खाने में नखरे करता है तो उसे वेज रोल बनाकर दे सकती हैं. इसके लिए आप मेदे की जगह गेंहू के आटे का यूज करें. एक रोटी बनाएं और साइड में रख दें. फिर फिलिंग के लिए बारीक कटी हुई सब्जियों को सॉटे करे और कुछ सॉस के साथ सब्जियों को मेरीनेट कर दें. इसे रोटी पर लगाएं और रोल बनाकर कट कर लें. आप चाहें तो सब्जियों की जगह पनीर भी एड कर सकती हैं. ये दिखने में कलरफुल भी लगेंगे और खाने में काफी टेस्टी भी. एक बार खाने के बाद बच्चा इसे दोबारा जरूर मानेंगा.

टिफिन में दें वेज पुलाव

वेज पुलाव भी टिफिन में देने के लिए अच्छा ऑप्शन है. इसे बनाने के लिए आपको बस कुछ सब्जियां लेनी है और चावल के साथ उसे कुकर में पका लें. इस बूंदी या फिर खीरे के रायते के साथ सर्व करें. ये खाने में तो लजावब होते ही हैं.

क्या यही चुनाव आयोग का काम है

बेशक, यह कहना तो शायद बहुत जल्दबाजी होगी कि बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआइआर की घोषणा के बाद से विपक्षी पार्टियों ही नहीं बल्कि सामाजिक व जनतांत्रिक अधिकार संगठनों द्वारा भी वोट की चोरी के जरिए चुनाव में हेरा-फेरी की जो आशंकाएं जतायी जा रही थीं

हैरानी की बात नहीं है कि विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए तय की गयी इस प्रक्रिया विशेष और खासतौर पर उसके लिए सभी मतदाताओं से नये सिरे से फार्म भरवाए जाने और 2003 की मतदाता सूचियों में जिन लोगों का नाम नहीं था, उन सबसे उनकी स्थानीयता को दर्शाने वाले साक्ष्य मांगे जाने और सचेत रूप से आधार समेत सबसे आम-फहम दस्तावेजों के साक्ष्यों की इस सूची से बाहर रखे जाने से, व्यापक रूप से इस कसरत के मकसद को लेकर आशंकाएं पैदा हुई थीं।बेशक, यह कहना तो शायद बहुत जल्दबाजी होगी कि बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआइआर की घोषणा के बाद से विपक्षी पार्टियों ही नहीं बल्कि सामाजिक व जनतांत्रिक अधिकार संगठनों द्वारा भी %%वोट की चोरी%% के जरिए चुनाव में हेरा-फेरी की जो आशंकाएं जतायी जा रही थीं और जनता के बीच जाकर जतायी जा रही थीं, उनका अंततः निराकरण हो गया है। फिर भी एसआइआर के ही मामले में सुप्रीम कोर्ट के 8 सितंबर के आदेश के बाद, इतना तो निश्चियपूर्वक कहा ही जा सकता है कि इन आशंकाओं के दरवाजे एक हद तक बंद कर दिए गए हैं। यह हुआ है सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के जरिए कि एसआइआर की प्रक्रिया पहचान के लिए प्रमाण के रूप में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जिन 11 दस्तावेजों को अधिसूचित किया गया है, आधार कार्ड / नंबर को उनके समकक्ष, 12वां दस्तावेज माना जाएगा।सभी जानते हैं कि बिहार में विवादास्पद एसआइआर प्रक्रिया की शुरूआत का एलान करते हुए, चुनाव आयोग ने यह निर्धारित किया था कि मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अब तक के सभी उदाहरणों के विपरीत, मताधिकार के सभी दावेदारों को नामांकन फर्म भरना होगा और जिनका समुचित नामांकन फार्म निर्धारित तिथि तक अधिकारियों को प्राप्त नहीं होगा, वे खुद ब खुद मताधिकार की दावेदारी से बाहर हो जाएंगे। पुनः जिन मतदाताओं का नाम 2003 की मतदाता सूचियों में नहीं था, उन्हें नामांकन फार्म के साथ अपनी पहचान के प्रमाण के रूप में उक्त 11 साक्ष्यों में से कोई एक पेश करना था। इन साक्ष्यों से आधार, स्वयं चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मतदाता पहचान कार्ड और राशन कार्ड जैसे व्यक्ति की पहचान को प्रमाणित करने वाले ठीक उन्हीं साक्ष्यों को बाहर रखा गया था, जो सबसे ज्यादा लोगों को पास उपलब्ध हैं और सबसे ज्यादा उपयोग में आते हैं।

हैरानी की बात नहीं है कि विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए तय की गयी इस प्रक्रिया विशेष और खासतौर पर उसके लिए सभी मतदाताओं से नये सिरे से फार्म भरवाए जाने और 2003 की मतदाता सूचियों में जिन लोगों का नाम नहीं था, उन सबसे उनकी स्थानीयता को दर्शाने वाले साक्ष्य मांगे जाने और सचेत रूप से आधार समेत सबसे आम-फहम दस्तावेजों के साक्ष्यों की इस सूची से बाहर रखे जाने से, व्यापक रूप से इस कसरत के मकसद को लेकर आशंकाएं पैदा हुई थीं। कहीं यह मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के नाम पर, चोर दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर या एनआरसी लाने की यानी मतदाता सूची में स्थान दिए जाने को, नागरिकता की जांच के साथ जोड़ने की कोशिश तो नहीं थी? हमारे संविधान में नागरिकता का विषय, आम तौर पर चुनाव आयोग के विचार क्षेत्र में नहीं आता है। इसलिए, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया को, नागरिकता जांच के साथ जोड़ना कतई असंवैधानिक है। वास्तव में, बिहार में एसआइआर प्रक्रिया को सर्वोच्च अदालत में दी गयी अनेक चुनौतियों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा, इस प्रक्रिया की संवैधानिकता का है, जिस पर अदालत को अभी विचार करना ही है।बहरहाल, एसआइआर प्रक्रिया को लेकर विचार की प्रक्रिया में, शुरूआत से ही सर्वोच्च न्यायालय का यह स्पष्ट रुख था कि पहचान के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों में चुनाव आयोग को आधार जैसे दस्तावेजों को शामिल करना चाहिए, जिससे इस प्रक्रिया में लोगों को ज्यादा परेशान नहीं होना पड़े। दुर्भाग्य से चुनाव आयोग भी शुरूआत से आधार आदि दस्तावेजों को स्वीकार नहीं करने पर अड़ा हुआ था। इन हालात में, जब अदालत आदेश के बजाए, सुझाव की विनम्र भाषा का प्रयोग करते हुए, चुनाव आयोग से आधार आदि को शामिल करने की सलाह पर रुक गयी, चुनाव आयोग ने इस सलाह को जैसे अनसुना ही कर दिया।दूसरी ओर, चूंकि अदालत इस संबंध में एकदम स्पष्ट थी कि आधार जैसे दस्तावेजों को अस्वीकार करने की चुनाव आयोग की जिद के पीछे कोई वास्तविक तर्क था ही नहीं, उसने इस प्रकरण की अलग-अलग सुनवाइयों में, कम से कम तीन बार, तरह-तरह से अपने इस मंतव्य को दोहराया कि चुनाव आयोग इन दस्तावेजों को स्वीकार करे। यहां तक कि एसआइआर की प्रक्रिया में पूरे 65 लाख लोगों के नाम बिल्कुल अपारदर्शी तरीके से काटे जाने के पहलू पर अपने फैसले में भी अदालत ने, जिन लोगों के नाम इस तरह काटे गए थे, उनकी अर्जियों पर पुनरीक्षण की प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर विचार किये जाने का आदेश देते हुए, दस्तावेज के रूप में आधार के स्वीकार किए जाने के स्पष्ट आदेश भी दिये थे।लेकिन, चुनाव आयोग ने इसके बाद भी अपनी जिद नहीं छोड़ी। उसने तिकड़मबाजी से सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को विफल करने की कोशिशें जारी रखीं। अदालत के उक्त निर्णय की पृष्ठभूमि में, जब चुनाव आयोग की मशीनरी में शामिल कुछ अधिकारियों ने आधार को प्रमाण के रूप में स्वीकार करने की कोशिश की, चुनाव आयोग ने न सिर्फ इसे गलत बताया बल्कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की। और जिन मतदाताओं ने आधार का साक्ष्य के रूप में उपयोग करते हुए, मतदाता सूची में अपना नाम शामिल किए जाने की मांग की, उनके द्वारा पेश किए गए साक्ष्य को नामंजूर ही कर दिया गया। हैरानी की बात नहीं है कि 8 सितंबर की ताजातरीन सुनवाई में अदालत में इन मामलों को उठाया गया और एसआइआर की प्रक्रि या को चुनौती देने वाली पार्टियों के वकीलों ने इसे सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना बताते हुए, अदालत से बलपूर्वक आग्रह किया कि आधार के संबंध में अपने मंतव्य का पालन सुनिश्चित करे।ठीक इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट को इस बार अपना स्वर बदलना पड़ा और आधार के संबंध में अपने मंतव्य के लिए, पहले की तरह सुझाव की भाषा का प्रयोग छोड़कर, आदेश की भाषा का प्रयोग करना पड़ा। जाहिर है कि इसके बाद चुनाव आयोग के पास आधार को अन्य ग्यारह प्रमाणों की तरह, बारहवां प्रमाण मानने से बचने की कोई गुंजाइश नहीं रह गयी है। यानी बिहार के 90-95 फीसदी मतदाता, आधार के सहारे अपनी पहचान तथा पते को प्रमाणित करने की शर्त काफी आसानी से पूरी कर सकते हैं। यह, एसआइआर प्रक्रिया के माध्यम से, मतदाताओं की एक अच्छी-खासी संख्या को मताधिकार से ही वंचित किए जाने की संभावनाओं के दरवाजे, बहुत हद तक बंद कर देता है।याद रहे कि एसआइआर प्रक्रिया के जरिए, मतदाता सूचियों की साशानुकूल छंटाई का यह खतरा बहुत ही वास्तविक है। यह संयोग ही नहीं है कि बिहार में, जहां से इस एसआइआर प्रक्रिया की शुरूआत हुई है, एक ओर अगर समूचा विपक्ष इस प्रक्रिया पर, उसके तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाने, इस प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर जल्दबाजी में तैयार की गयी कच्ची या ड्रस्ट मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों तथा त्रुटियों की भरमार पर लागातार सवाल उठा रहा है और इन सवालों को जनता के बीच भी लेकर जा रहा है, तो दूसरी ओर साशाधारी गठजोड़ न सिर्फ इन गड़बड़ियों, त्रुटियों तथा बड़ी संख्या में नाम काटे जाने पर चुप्पी साधे हुए है बल्कि विशेष रूप से भाजपा तो जोर-शोर से, और आलोचकों पर हमला कर, चुनाव आयोग की तमाम करनियों-अकरनियों का बचाव करने में ही लगी हुई है। यहां तक कि आरएसएस भी खुलकर विवादास्पद एसआइआर के बचाव में उतर आया है। हाल ही में जोधपुर में संपन्न आरएसएस से संबद्ध संगठनों की तीन दिनी सालाना बैठक के बाद, उसके प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने कहा कि, कार्यकुशल चुनावी प्रक्रियाएं जनतंत्र की रीढ़ होती हैं और एसआइआर जैसी पहलें इस आधार को मजबूत करने में मदद करती हैं। सचाई यह है कि बढ़ती बाहरी घुसपैठ की जिस तरह की निराधार आशंकाओं तथा डैमोग्राफी में बदलाव की चिंताओं को, मोहन भागवत के पिछले ही दिनों के तीन दिवसीय महत्वाकांक्षी व्याख्यान में स्वर दिया गया था और उससे पहले प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उछाला गया था, उन्हें ही और पहले से स्वर देते हुए, एसआइआर प्रक्रिया के अंतर्गत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाने को, रोहिंगिया, बंगलादेशी घुसपैठियों आदि की मौजूदगी का संकेतक बताने की कोशिश की जा रही थी। यह सब चुनाव आयोग के नाम पर, कथित सूत्रों के हवाले से किया जा रहा था। यह दूसरी बात है कि सूत्रों और इशारों में धारणाएं बनाने का यह खेल शुरू करने के बाद, नाम काटे जाने के औपचारिक कारण के स्तर पर, चुनाव आयोग ऐसे दावों से पीछे ही हट गया।

नरेंद्र मोदी के निजाम में वैसे तो तमाम संवैधानिक निकायों, संस्थाओं तथा एजेंसियों को घसीटकर, उनकी मान्य भूमिकाओं से काफी दूर पहुंचा दिया गया है। पर चुनाव आयोग, संविधान में सौंपी गयी अपनी भूमिका से जितनी दूर चला गया है, वह हैरान कर देने वाला है।

संपादकीय

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरुआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन-दौलत की बदौलत है। इस पोल-खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया।दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन-जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है।

जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल-पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है। विडंबना यह है कि इन दोनों स्रोतों में पिछले वर्षों में कमी आई है। बेरोजगारी दर का बीस फीसदी के आसपास होना युवाओं के आक्रोश को तार्किक बनाता है। दरअसल, सरकार युवाओं की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने में नाकाम ही रही है। आये दिन नेताओं द्वारा किए जाने वाले वायदों से खिन्न युवा धरातल पर बदलाव देखना चाहते हैं। बहरहाल, मौजूदा उथल-पुथल ने नेपाल को एक नई शुरुआत करने का अवसर जरूर दिया है। वहीं भारत के लिये भी यह सचेतक घटनाक्रम है .

सी.पी. राधाकृष्णनः एक नये अध्याय की शुरुआत

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है।

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक

है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे।सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए।राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

अमाल और तान्या मित्तल

का लव एंगल रियल या फेक? नगमा मिराजकर ने दिया हर सवाल का जवाब

सलमान खान का सबसे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19 इन दिनों काफी सुर्खियों में है. शो के पहले ही इविक्शन में नतालिया के साथ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नगमा मिराजकर घर से बाहर हो गई हैं. बिग बॉस के घर से बाहर आते ही टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में नगमा ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं.

नगमा, आपका बिग बॉस का सफर बहुत अच्छा था. अब घर से बाहर आकर आपको फैंस का क्या रिएक्शन देखने को मिल रहा है?

फैंस के मुझे बहुत ही प्यारे मैसेजेस आ रहे हैं और वे सब यही कह रहे हैं कि मैं वापस जाऊं क्योंकि वे मुझे घर में बहुत मिस कर रहे हैं. मुझे ये देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि भले ही मैं शो में कम दिखी, लेकिन अगर इतना इंपैक्ट हुआ है, तो मैं बहुत ग्रेटफुल हूं. मेरा सफर भले ही छोटा रहा, लेकिन ये बहुत ही प्यारा था. मैं यही कहूंगी कि जो भी प्यार मुझे मिल रहा है, उसके लिए मैं इस शो की शुक्रगुजार रहूंगी. जो लोग मुझे नहीं जानते थे, वे भी आज कह रहे हैं कि मैंने जितना भी समय बिताया, वो उन्हें बहुत पसंद आया और यही मेरे लिए एक बड़ी जीत है.

घर से बाहर आने के बाद आपने अमाल मलिक के आपको और आवेज को लेकर कुछ बयान जरूर सुने होंगे, उन्होंने कहा था वह आपको काम देते हैं और भी कई स्टेटमेंट थे, क्या आपको इन बातों से बुरा लगा?

मुझे अमाल के कुछ बयान बहुत शॉकिंग लगे. हमारा उनके साथ घर के अंदर बहुत अच्छा रिश्ता था और उनसे ये उम्मीद बिल्कुल भी नहीं थी कि वह ऐसी बातें कहेंगे. उनके बयान दिल दुखाने वाले थे. अगर मुझे मौका मिला तो मैं उनसे जरूर मिलूंगी और पूछूंगी कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा. हम तो आवेज के साथ मिलकर उन्हें भाई बुलाते थे और सच में भाई जैसा मानते भी थे. ये सब पहले हफ्ते में ही हुआ, जबकि दूसरे हफ्ते में नॉमिनेशन के दौरान भी इतना कुछ नहीं हुआ था.

उनकी सिर्फ एक बात नहीं है, बल्कि काफी सारी बातें हैं. आप इतने बड़े-बड़े स्टेटमेंट्स बोल रहे हैं जो शो से भी संबंधित नहीं हैं, तो वो चीजें मुझे अच्छी नहीं लगीं. उन्होंने जो भी कहा है, वो मुझे सही नहीं लगा. जब आप गेम में होते हैं, तो आपको गेम की तरह ही खेलना चाहिए. अगर आप पर्सनल जाते हैं तो वो गंदा हो जाता है और यह किसी के कैरेक्टर को डिस्कस करने की जगह नहीं है.

अमाल ने जिस तरह से आवेज के कैरेक्टर पर सवाल उठाते हुए कमेंट्स किए, उस पर आप क्या कहना चाहेंगी?

देखिए, गुस्सा तो बहुत आता है. रही बात बाकी चीजों की, तो आवेज और मेरा जो रिश्ता है, वो काफी साफ और ट्रांसपेरेंट है. अब हमने शादी करने का फैसला कर लिया है, इसलिए मैं किसी भी नेगेटिव बात को अपने रिश्ते पर हावी नहीं होने देना चाहती. मैं आवेज से प्यार करती हूं और हमेशा उसके साथ खड़ी हूं. मैं सिर्फ अच्छी चीजों पर ध्यान देना चाहती हूं, जैसे हमारी शादी और उसकी तैयारियां.

घर में कुछ लव एंगल भी बनते दिखे. आपको क्या लगता है कि तान्या मित्तल और अमाल का रिश्ता रियल है या सिर्फ गेम के लिए है?

मुझे तो अब खुद ही नहीं समझ आ रहा है. बीच में मुझे बसीर और नतालिया का लग रहा था, लेकिन अब सबने बोल-बोलकर मेरे दिमाग में तान्या मित्तल और अमाल का नाम डाल दिया है. मुझे भी लग रहा है कि शायद वे गेम के लिए कर रहे हों, या फिर यह रियल भी हो सकता है. क्या पता तान्या को सच में अमाल पसंद आ गए हों. मैं खुद भी अब ऑडियंस बन गई हूं और आप लोगों की तरह जानने के लिए बेताब हूं कि अंदर क्या चल रहा है. अभी तो मैं कुछ पक्का नहीं कह सकती.

रईसी में कई हसीनाओं से आगे हैं अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता, 50 करोड़ का है बंगला

'बॉलीवुड के शहंशाह' अमिताभ बच्चन भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन कलाकार माने जाते हैं. बिग बी अपने अभिनय के साथ ही अक्सर फैंस के बीच अपनी अमीरी को लेकर भी सुर्खियों में बने रहते हैं. 82 साल की उम्र में भी बिग बी लगातार काम कार रहे हैं. फिल्मों से लेकर टीवी शो तक के जरिए वो फैंस का मनोरंजन कर रहे हैं और अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं. वैसे आज हम आपको अमिताभ बच्चन की लाडली श्वेता बच्चन की नेटवर्थ के बारे में बताने जा रहे हैं.अमिताभ बच्चन ने दिग्गज एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन जया बच्चन से साल 1973 में शादी की थी. दोनों शादी के बाद दो बच्चों बेटी श्वेता बच्चन नंदा और बेटे अभिषेक बच्चन के पैरेंट्स बने थे. अभिषेक तो पैरेंट्स की राह पर चलते हुए एक्टर बन गए थे. लेकिन, श्वेता ने ऐसा नहीं किया था. हालांकि बॉलीवुड में ना आने के बावजूद वो काफी अमीर हैं और एक लग्जरी लाइफ जीती हैं.

इस फील्ड में बनाया करियर

श्वेता बच्चन का जन्म 17 मार्च 1974 को मायानगरी मुंबई में हुआ था. श्वेता अपने भाई अभिषेक से दो साल बड़ी हैं. उनका पूरा परिवार फिल्मों से जुड़ा हुआ है, लेकिन श्वेता ने एक्टिंग से दूर फैशन डिजाइनर के रूप में अपने पहचान बनाई है. जबकि वो फेमस कॉलमिस्ट और राइटर भी हैं. उनकी कमाई का जरिया फैशन ब्रांड M&S भी है, जो उन्होंने अपने बचपन की दोस्त के साथ शुरू किया था.

करोड़ों की मालकिन हैं श्वेता

श्वेता बच्चन ने कभी 3 हजार रुपये महीने की नौकरी भी की थी. कभी श्वेता किंडरगार्टन में असिस्टेंट टीचर हुआ करती थीं. बड़े घराने से होने के बावजूद उन्होंने ये काम किया था और उन्हें बेहद कम पैसे मिलते थे. लेकिन, अब वो करोड़ों की नेटवर्थ की मालकिन हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बिग बी और जया बच्चन की लाडली के पास 150 से 170 करोड़ रुपये की संपत्ति है.

पिता ने गिफ्ट किया था 50 करोड़ का बंगला

श्वेता के पास करीब 50 करोड़ रुपये कीमत का बंगला भी है, जो उन्हें अमिताभ बच्चन ने गिफ्ट किया था. इस बंगले का नाम प्रतीक्षा है जो मुंबई में ही है. श्वेता की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने निखिल नंदा से शादी की थी. निखिल एक मशहूर बिजनेसमैन हैं. शादी के बाद श्वेता और निखिल दो बच्चों बेटी नव्या नवेली नंदा और बेटे अगस्त्य के पैरेंट्स बने थे.

टीवी की वो फेमस एक्ट्रेस जिनकी दीवानी थीं सलमान खान की मां, आजकल क्या कर रही हैं?

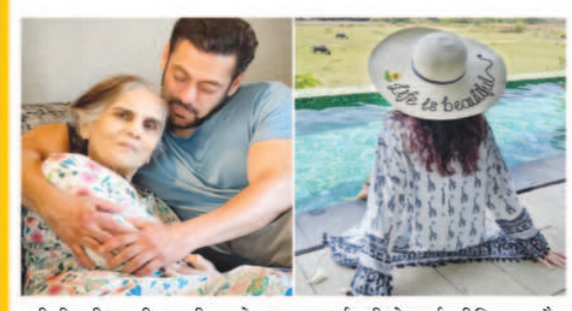

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस सनाया ईरानी ने कई सीरियल और कुछ फिल्मों में काम किया है. इन्होंने कई ऐसे सीरियल किए जो सुपरहिट रहे और घर-घर में उनकी पहचान बनी. उसी दौर में बॉलीवुड स्टार सलमान खान की मां सलमा खान भी सनाया ईरानी को पसंद करती थीं. इसके बारे में सलमान खान ने 'बिग बॉस 7' के ग्रैंड प्रीमियर पर बताया था. सनाया ईरानी उस सीजन में बतौर कंटेस्टेंट गई थीं और इसके अलावा भी सनाया ने कई शोज किए हैं.17 सितंबर 1983 को मुंबई में जन्मीं सनाया ने कॉमर्स और इकोनॉमिक्स से ग्रेजुएशन किया है. इसके बाद उन्होंने एमबीए की पढ़ाई के लिए एडमिशन लिया और उसी दौरान उन्होंने मॉडलिंग भी शुरुआत कर दी. जब मॉडलिंग में सनाया को आगे बढ़ने का मौका मिला और उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी. इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. सलमान खान की मां ने सनाया के लिए क्या कहा था और आजकल सनाया क्या कर रही हैं, आइए बताते हैं.

सनाया ईरानी का एक्टिंग करियर कैसा रहा?

बिग बॉस 7 में सनाया ईरानी बतौर कंटेस्टेंट बनकर आई थीं. ग्रैंड प्रीमियर पर सलमान खान ने सनाया से पूछा था कि क्या उन्होंने कुछ पॉपुलर सीरियल किए हैं? इसका जवाब सनाया ने हां में दिया था. इसपर सलमान खान ने कहा था, 'मेरी मॉम आपकी बहुत बड़ी फैन हैं. वो आपको बहुत पसंद करती हैं और उन्होंने एक बार मजाक में कहा था कि मेरा बस चले तो मैं इसे बहू बना लूंज' सलमान खान की ये बात सुनकर सनाया शर्मा गई थीं और फिर हंसने लगीं.

वो सभी बातें हंसी-मजाक में चली गईं लेकिन ये बात सच है कि सनाया ने टीवी पर 'मिले जब हम-तुम', 'रंगरसिया' और 'इस प्यार को क्या नाम दूं?' जैसे सीरियल किए हैं, जिनमें वो बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आई थीं. इसके अलावा सनाया ने 'छनछन' में भी काम किया था, जिसमें वो लीड रोल में नहीं थीं. वहीं सनाया 'नच बलिए' और 'झलक दिखला जा' जैसे रियलिटी शोज में भी नजर आईं थीं. वहीं सनाया ने आमिर खान और काजोल की फिल्म 'फना' (2006) में भी काम किया था.

आजकल क्या कर रही हैं सनाया ईरानी?

टीवी के पॉपुलर सीरियल 'मिले जब हम-तुम' (2008) में दो जोड़ियां लीड रोल में थीं, जिनमें सम्राट (मोहित सहगल), गुंजन (सनाया ईरानी), नुपुर (रति पांडे) और मयंक (अर्जुन बिजलानी) की कहानियों को दिखाया गया था. इसी सेट पर सनाया की दोस्ती मोहित से हुई और 2016 में सनाया ने मोहित से शादी कर ली थी.

शहनाज गिल

के भाई को बॉयकॉट करने का प्लान हुआ फेल, घरवालों ने दी सजा

टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19 में आए दिन नए ड्रामे और विवाद देखने को मिल रहे हैं. सलमान खान के इस शो का माहौल पल-पल बदल रहा है और अब तो कंटेस्टेंट्स ने गेम को अगले लेवल पर ले जाने के लिए कुछ ऐसा किया है, जिसने पूरे घर में बवाल मचा दिया है. बिग बॉस के घर में घरवालों पर प्रैंक खेलने के चक्कर में हुई बड़ी गलती के बाद शहनाज गिल के भाई शहबाज बादशाह पर सभी घरवालों का गुस्सा फूट पड़ा है.उनकी गलती के चलते कुछ घरवालों ने उन्हें बॉयकॉट करने का प्लान भी बनाया था. हालांकि, जीशान और कुनिका की वजह से ये फेल हो गया. लेकिन घर के कप्तान अमाल मलिक ने शहबाज को एक्स्ट्रा ड्यूटी देते हुए सजा दी.

जानें क्या था शाहबाज का प्लान?

दरअसल, घरवालों के साथ एक शरारत करने के इरादे से शहबाज ने घर में कइयों की चीजें छिपाईं. उन्होंने न सिर्फ घरवालों के कपड़े और पर्सनल सामान छिपाए, बल्कि उन्होंने राशन पर भी हाथ साफ कर दिया. रसोई में इस्तेमाल होने वाले नमक, मसाले, और अंडे जैसी जरूरी चीजें भी गायब हो गईं. उनकी इस हरकत ने सभी घरवालों को सकते में डाल दिया. आखिर में भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम ने शाहबाज की पोल खोल दी.

जैसे ही घरवालों को शहबाज की हरकत के बारे में पता चला, तब घर में हंगामा खड़ा हो गया. गौरव खन्ना और बसीर अली गुस्से में आग बबूला हो गए और शहबाज को सजा देने की मांग करने लगे. बसीर ने सीधे तौर पर कहा कि जिसने भी ये किया है, उसे बख्शा नहीं जाएगा. वहीं, अभिषेक बजाज ने भी इस हरकत को गलत बताया. कुछ समय के लिए उन्होंने मिलकर ये भी सोच लिया कि वो शहबाज को बॉयकॉट करें.

गलत साबित हुई एक कोशिश

शाहबाज को बॉयकॉट करने का कुनिका सदानंद और जीशान कादरी ने जमकर विरोध किया. उनके विरोध को देखकर अमाल मलिक, अभिषेक बजाज और बसीर अली ने अपना फैसला बदल दिया और सजा के तौर पर शहबाज को एक्स्ट्रा ड्यूटी दी गई. हालांकि सभी की चीजें छिपाने में शाहबाज की अमाल ने मदद की थी.

खोए,चोरी हुए मोबाइल लौटाए गए, गुड सेमेरिटन को किया गया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले स्थित पुलिस मुख्यालय के आदर्श ऑडिटोरियम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पुलिस आयुक्त सतीश गोल्चा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों की उपस्थिति में गुड सेमेरिटन (निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाला) को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से बरामद खोए/चोरी हुए मोबाइल उनके असली मालिकों को लौटाए। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष अब तक दिल्ली पुलिस ने 6,432 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिनमें से 3,589 फोन लोगों को सौंपे जा चुके हैं। आज के कार्यक्रम में 1,559 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गए। कार्यक्रम में उपराज्यपाल ने 13 गुड समेरिटन्स (जिनमें 3 महिलाएं शामिल थीं) को उनकी बहादुरी और निस्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित किया। इन नागरिकों ने कई अवसरों पर अपराधियों को पकड़ने और पीड़ितों की मदद करने में अहम भूमिका निभाई। इसी अवसर पर 22 पुलिस अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। जिन्होंने बड़ी संख्या में मोबाइल फोन की बरामदगी और उन्हें सही मालिकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डूसू चुनाव केवल संगठन या प्रत्याशियों का नहीं बल्कि छात्रों की भागीदारी का पर्व है : अभाविप

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रत्याशियों ने विश्वविद्यालय के छात्रों से आगामी 18 सितंबर को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी आर्यन मान, उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद तंवर, सचिव पद के प्रत्याशी कुणाल चौधरी और सह सचिव पद की प्रत्याशी दीपिका झा ने कहा कि यह चुनाव केवल संगठन या प्रत्याशियों का नहीं, बल्कि छात्रों की भागीदारी का पर्व है। डूसू चुनाव 18 सितंबर को संपन्न होंगे और परिणाम 19 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। अभाविप दिल्ली प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव डीयू के छात्रों के लिए एक उत्सव है। अभाविप सभी छात्रों से अपील करती हैं कि वे मतदान कर इस उत्सव को सफल बनाएं। सार्थक शर्मा ने कहा कि इस वर्ष डूसू चुनाव प्रचार का स्वरूप खासा अनूठा रहा। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अभाविप कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों ने प्रचार-प्रसार के नए तरीके अपनाए। उन्होंने पत्तों पर नाम लिखकर छात्रों तक संदेश पहुंचाया और डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया। इंस्टाग्राम रील, फेसबुक लाइव, 'एक्स' पोस्ट और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए चुनावी संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाया गया।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' के तहत दिल्ली सचिवालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के धार से राष्ट्रव्यापी सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर) की शुरुआत की और इस अवसर पर 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' तथा आठवां राष्ट्रीय पोषण माह का आरंभ किया। इसी क्रम में आज दिल्ली सचिवालय में विशेष स्वास्थ्य शिविर व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उपस्थित रहीं। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, मुख्य सचिव धर्मेंद्र सहित दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। दिल्ली सचिवालय में महिलाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य जांच, परामर्श और आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुब्बारे उड़ाकर 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान की औपचारिक शुरुआत पर प्रधानमंत्री को आभार व्यक्त किया।

लूटे गए मोबाइल नेपाल भेजने वाले गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली से चोरी हुए और लूटे गए मोबाइल नेपाल भेजने वाले गिरोह का उत्तरी जिला पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान बृंदावन (23), मुकेश कुमार (21), विक्की बिंद (20), विक्की कुमार (25) और विकास पांडेय (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 224 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पकड़े गए सभी आरोपित बिहार के रहने वाले हैं। आरोपित चोरी और झपटमारी व लूट के मोबाइल खरीदने के बाद मुंगेर, बिहार के रास्ते नेपाल भेज देते थे। नेपाल में इनको मोबाइल के अच्छे पैसे मिल जाते थे। पकड़े गए आरोपितों में विक्की कुमार व विकास पांडेय दोनों ही मोबाइल मैकेनिक हैं। उत्तरी जिला के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर रोहित सारस्वत व उनकी टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग दिल्ली से चोरी, लूट और झपटमारी के मोबाइल को खरीदकर नेपाल भेज रहे हैं।

पराली जलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान क्यों नहीं- सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में पराली जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि इस मामले में पराली जलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान क्यों नहीं की जा रही है। सरकार कार्रवाई से कतरा क्यों रही है? कुछ लोगों को जेल भेजने से सही संदेश जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि हम किसानों का सम्मान करते हैं, क्योंकि वे हमें खाना देते हैं, लेकिन किसी को भी पर्यावरण को दूषित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि आप किसानों के लिए कुछ दंडात्मक प्रावधानों के बारे में क्यों नहीं सोचते? अगर कुछ लोग जेल में हैं, तो इससे सही संदेश जाएगा। अगर पर्यावरण की रक्षा करने का आपका सच्चा इरादा है, तो फिर आप एक्शन

लेने से क्यों डर रहे हैं? अदालत ने सरकार से कहा कि देश में किसानों का एक विशेष स्थान है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे इसका फायदा उठाएं। सरकार इस पर फैसला ले, नहीं तो अदालत आदेश जारी करेगी। गलती करने वाले अधिकारियों की तो बात छोड़िए, क्योंकि हर किसान पर नजर रखना अधिकारियों के लिए मुश्किल है। मुख्य न्यायाधीश ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट से पूछा, आप पराली जलाने वाले किसानों के लिए दंडात्मक प्रावधान लाने पर विचार क्यों नहीं करते हैं? यह बातें सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआई से संबंधित राज्यों में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में खाली पदों को नहीं भरे जाने पर अवमानना नोटिस पर सुनवाई के दौरान कहीं।

दिल्ली के पड़ोसी राज्यों पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हर साल अक्टूबर और नवंबर में पराली जलाने की घटनाएं सामने आती हैं। पराली जलाने की वजह से दिल्ली एनसीआर की हवा जहरीली हो जाती है। इन राज्यों के किसान पराली को खेतों से हटाने के बजाय जला देते हैं। पराली जलाने की घटनाएं हर साल सामने आती रहती हैं।

उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल ने 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान में दी सक्रिय भागीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल ने महिलाओं और परिवारों के स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। अस्पताल में आयोजित उद्घाटन समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार तथा उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उनकी उपस्थिति ने स्वास्थ्य क्षेत्र में भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर एनीमिया, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी प्रमुख बीमारियों की जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित करना है। उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रुश्मा टंडन ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य एक मजबूत परिवार और मजबूत राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों, उनके

परिवारों और आम जनता को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं और परामर्श उपलब्ध कराए जाएंगे। अस्पताल इस पहल के तहत विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करेगा, जिनमें निवारक देखभाल, पोषण संबंधी परामर्श और रोग की शीघ्र पहचान पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह पहल भारतीय रेलवे की सामाजिक उत्तरदायित्व भावना और स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में तेजी से बढ़ रहे एच3एन2 के मामले, विशेषज्ञों ने बदलते मौसम को बताया जिम्मेदार

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि मौसम की बदलती परिस्थितियां दिल्ली-एनसीआर में इन्फ्लूएंजा ए स्ट्रेन एच3एन2 के मामलों को बढ़ा रही हैं। एच3एन2 एक मौसमी फ्लू है जो मनुष्यों में फैलता है और समय के साथ म्यूटेट होता रहता है। बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं इस बीमारी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। यह कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों और अस्थमा, सीओपीडी, हृदय रोग या मधुमेह के रोगियों में अधिक गंभीर रूप ले सकता है।

एम्स के आंतरिक चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर अनिमेष रे ने बताया, 'एच3एन2 के कारण इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ रहे हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, और मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं।' विशेषज्ञ ने बताया कि यह स्थिति आमतौर पर हल्की होती है, लेकिन अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों में यह गंभीर हो सकती है। रे ने कहा, 'हालांकि ज्यादातर मामले हल्के होते हैं, फिर भी पिछली कोमोरबिडिटी (एक ही समय में एक से अधिक बीमारियों का होना) वाले लोग जिन्हें गुर्दे की समस्या, मधुमेह, हृदय रोग, या फेफड़ों की

बीमारियां हैं, उन्हें निमोनिया या फिर लंग फेल्योर से जूझना पड़ सकता है।' सोशल कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्किल्स द्वारा 11,000 से ज्यादा घरों पर किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 69 प्रतिशत घरों में कम से कम एक सदस्य में बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई देने की बात कही गई है। शहर के एक प्रमुख अस्पताल में वरिष्ठ सलाहकार चिकित्सा डॉ. अतुल गोगिया ने आईएएनएस को बताया, 'मौसम में बदलाव और टीकाकरण की कमी के कारण ये मामले बढ़ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इसके लक्षण मौसमी फ्लू जैसे ही होते हैं। खांसी, जुकाम और नाक बहने के अलावा ये फेफड़ों को प्रभावित कर सकते हैं जिससे आगे चलकर निमोनिया भी हो सकता है।'

शिक्षा मंत्रालय स्वच्छता और कार्यकुशलता को बढ़ावा देने के विशेष अभियान 5.0 के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने स्वच्छता और कार्यकुशलता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आयोजित विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय भागीदारी की घोषणा की है। यह अभियान 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा, जिसका उद्देश्य सरकारी दफ्तरों, स्वायत्त संस्थानों और केंद्रीय वित्तपोषित उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वच्छता, अभिलेख प्रबंधन, ई-वेस्ट निस्तारण तथा लंबित मामलों का समय पर निपटान सुनिश्चित करना है। शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि उच्च शिक्षा सचिव डॉ वीनीत जोशी ने 12 सितंबर को एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 170 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें केंद्रीय वित्तपोषित संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और मंत्रालय के अधिकारी शामिल थे। बैठक में तय किया गया कि इस बार अभियान को पिछले वर्षों से अधिक सफल बनाने के लिए ठोस लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। अभियान दो चरणों में चलेगा– तैयारी चरण (15 सितंबर से 30 सितंबर) और क्रियान्वयन चरण (2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर)। तैयारी चरण में संस्थानों से लंबित मामलों की पहचान करने, स्वच्छता और स्थान प्रबंधन की प्राथमिकताएं तय करने तथा रिकार्ड निस्तारण की रूपरेखा बनाने को कहा गया है। वहीं, क्रियान्वयन चरण में सांसदों के संदर्भ, प्रधानमंत्री कार्यालय और मंत्रालयों के बीच संचार, जन शिकायतें तथा संसदीय आश्वासन जैसे लंबित मामलों को निपटाने पर जोर रहेगा। पिछले वर्ष विशेष अभियान 4.0 के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई थीं। लगभग 84 प्रतिशत जन शिकायतें और 81 प्रतिशत अपीलों का निपटान किया गया। 1.62 लाख से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से करीब 99 हजार फाइलें हटाई गईं। साथ ही, 3.46 लाख वर्गफुट क्षेत्र का स्थान प्रबंधन किया गया और 1.91 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति भी हुई। सतत विकास की दिशा में भी कई नवाचार सामने आए। शास्त्री भवन में पर्यावरण जागरूकता से जुड़े भित्तिचित्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू और त्रिपुरा विश्वविद्यालय में वर्मी कम्पोस्टिंग, एनआईटी सिलचर में ई-वेस्ट से बने शिल्प और एनआईटी जमशेदपुर में 'विंटेज पार्क' जैसे प्रयासों को व्यापक सराहना मिली।

भारत-इंडोनेशिया नौसैनिक वार्ता, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा व सहयोग पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत व इंडोनेशिया के बीच नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण वार्ता आयोजित की गई। दोनों देशों के बीच यह एक नौसैनिक वार्ता थी। इस वार्ता में भारत व इंडोनेशिया ने हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुरक्षा व सहयोग पर चर्चा की। भारत व इंडोनेशिया के वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने दोनों देशों द्वारा संयुक्त द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों को लेकर भी बातचीत की है। नौसेना के मुताबिक भारत और इंडोनेशिया के बीच यह 13वीं नौसैनिक स्टाफ वार्ता थी जो नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए नौसेना ने बताया कि इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय नौसेना की ओर से रियर एडमिरल निर्भय बापना ने की। वहीं भारत आए इंडोनेशियाई नौसेना के प्रतिनिधि मंडल की ओर से रियर एडमिरल रेटियोनो कुंटो ने इस वार्ता की सह-अध्यक्षता की है। भारत-

इंडोनेशिया नौसैनिक वार्ता के दौरान दोनों देशों ने संचालनात्मक सहयोग बढ़ाने, द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों को और अधिक सुदृढ़ करने तथा प्रशिक्षण सहयोग के नए अवसरों को तलाशने पर विस्तृत चर्चा की। दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामुद्रिक सुरक्षा को सहयोगात्मक रूप से आगे बढ़ाने के लिए ठोस तंत्र विकसित करने पर सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर भारत-इंडोनेशिया संबंधों को 'मैत्री का सेत' बताया गया। वहीं दूसरी ओर भारत और म्यांमार के बीच त्रिदलीय सैन्य-सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम की शुरुआत भी हुई। दोनों देशों के बीच यह तीसरा तीन-दिवसीय पारस्परिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय वायुसेना का आईएल-76 विमान 120 तीनों सेनाओं के भारतीय जवानों व अधिकारियों को लेकर म्यांमार की राजधानी नेपीडॉ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचा। वहीं, म्यांमार सशस्त्र बलों का प्रतिनिधिमंडल भी इसी विमान से भारत के बोधगया पहुंचा है। जहां विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को एक नए सांस्कृतिक आयाम के साथ मजबूत करेगा और दोनों सेनाओं के बीच विश्वास और सहयोग को और प्रगाढ़ बनाएगा।

सेवा सप्ताह पर अश्विनी वैष्णव ने जारी किए दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले तीन विशेष कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में देशभर में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के अवसर पर केन्द्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले तीन विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत की। नेशनल मीडिया सेन्टर में आयोजित कार्यक्रम में तीन डटक्यूमेंट्री जारी किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 1947 के बाद पहली बार देश में ऐसा नेतृत्व है, जिसने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि आज दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले इन तीन कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री के सेवा की भावना, कर्मयोगी भावना को देखा जा सकता है। इनमें देखा जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने किस तरह अपने जीवन में स्व को भुला कर समाज के लिए, देश के लिए, राष्ट्र निर्माण के लिए संकल्प लिया। पिछले 11 सालों में जो परिवर्तन आया है, उसे लोगों ने महसूस किया है। सूदूर गांव में हर

व्यक्ति के मन में यही बात है कि जो पचास साल में नहीं हुआ वो इन 11 सालों में हुआ है। विश्वभर में चाहे तकनीकी, खेल, समाजिक न्याय की बात करें, हर क्षेत्र में भारत को नई पहचान मिली है। उन्होंने सभी से देश सेवा के लिए भागीदार बनने का आह्वान किया।

जेपी नड्डा ने किया प्रधानमंत्री मोदी की जीवन यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर सेंट्रल पार्क में उनके जीवन यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। इस मौके पर अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन, उनका एक एक पल, सेवा की प्रेरणा से ओत-प्रोत है और राष्ट्र के लिए समर्पित है। ऐसे प्रधानमंत्री जिन्होंने देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान किया है।

पिछले 11 वर्षों में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत को मजबूती प्रदान की है। जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए सेवा ही उनकी प्रेरणा है और राष्ट्र प्रथम संकल्प है। इस बात को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने सेवा पखवाड़ा मनाने का संकल्प लिया है। यह सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जन्म जयंती यानि 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज स्वस्थ्य नारी, स्वस्थ परिवार अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत हजारों स्थानों पर स्वास्थ्य कैंप लगाए जा रहे

हैं। रक्तदान शिविर का आयोजन सरकार और पार्टी के सहयोग से किया जा रहा है। इसके साथ पर्यावरण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता के लिए स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। लोग इनमें से कई आयोजनों में भागीदार बनें। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए जेपी नड्डा ने दो अक्टूबर को सभी कार्यकर्ताओं को खादी खरीदने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी को अपने जीवन में खादी पहनना चाहिए ताकि देश को मजूबूत बनाने में योगदान में वे भी भागीदार बन सकें। स्वदेशी उत्पाद को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री के प्रेरित जीवन को लेकर प्रदर्शित प्रदर्शनी को देश के कोने कोने में लगाई जानी चाहिए ताकि लोग प्रधानमंत्री मोदी के जीवन यात्रा को समझें कि कैसे उन्होंने एक-एक पल देश को आगे बढ़ाने में लगाया है। उन्होंने सभी से सेवा पखवाड़ा में शामिल हो कर मानवता की इस बड़ी सेवा में भागीदार बनने का आह्वान किया।

पुलिस ने दो अफ्रीकी नागरिकों को पकड़ा

नई दिल्ली । दक्षिण पश्चिम जिले की ऑपरेशन सेल ने सागरपुर इलाके से दो अफ्रीकी नागरिकों को पकड़ा है, जो बिना वैध वीजा दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कैमरून निवासी टाटा बिली मंजोंग (32) और नाइजीरिया निवासी केस्टर (25) के रूप में हुई है। दोनों के वीजा की अवधि काफी पहले समाप्त हो चुकी थी। पुलिस ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष इन्हें पेश किया। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार डिस्ट्रिक्ट में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की धरपकड़ के लिए जिले की ऑपरेशन को अलर्ट किया गया था। इस बीच पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अफ्रीकी नागरिक सागरपुर इलाके में अवैध रूप से रह रहे हैं। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों से पूछताछ की। जांच में पता चला कि कैमरून निवासी टाटा बिली मंजोंग वर्ष 2021 और नाइजीरियाई निवासी केस्टर वर्ष 2023 में भारत आए थे।

मुख्यमंत्री ने 'सुगम्य दिल्ली अभियान' का किया शुभारंभ, नमो सुगम्य रथ को किया रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कर्तव्य पथ स्थित सेंट्रल विस्टा परिसर से राजधानी के ऐतिहासिक महत्व वाले इस स्थल पर 'सुगम्य दिल्ली अभियान' का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'नमो सुगम्य रथ' को रवाना किया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, पार्टी के सोशल जस्टिस विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार दिव्यांगजन भाइयों-बहनों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2047 तक जब देश स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब तक दिल्ली को पूर्ण रूप से 'सुगम दिल्ली' बनाना हमारा संकल्प है। दिल्ली का प्रत्येक स्थल, प्रत्येक गंतव्य और प्रत्येक सार्वजनिक स्थान दिव्यांगजनों के लिए सुलभ और अनुकूल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दिल्ली सरकार की दिव्यांगजनों के लिए एक नई योजना

की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशेष सहयोग की आवश्यकता वाले दिव्यांगजन भाइयों-बहनों के सहयोगियों/सहकर्मियों को अब प्रतिमाह 6000 रुपये की आर्थिक सहायता दिल्ली सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके दैनिक जीवन में आवश्यक सहयोग और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दिव्यांगजनों को वे सभी सुविधाएं प्राप्त हों जो उन्हें सहज जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। आपकी जितनी भी मांगें और सुझाव हैं, दिल्ली सरकार उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अभिनेत्री दिशा पटानी के घर पर गोली चलाने वाले दो आरोपित मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उप्र एसटीएफ और हरियाणा एसटीएफ के साथ मिलकर गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी इलाके में बुधवार शाम मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त ऑपरेशन के दौरान रोहित गोडारा-गोल्डी बराड़ गैंग से जुड़े दो सक्रिय बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान हरियाणा निवासी रविंदर और अरुण के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये दोनों आरोपित हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी के बरेली स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग वारदात में सीधे तौर पर शामिल थे।

सेवा पखवाड़ा: गृहमंत्री शाह ने दिल्ली के लिए 1600 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 'सेवा पखवाड़ा' के तहत दिल्ली के लिए 1600 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार के मंत्री और भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। अमित शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' को घुसपैठिया बचाओ यात्रा बताया। शाह ने कहा कि राहुल गांधी को भारत के मतदाताओं पर भरोसा नहीं है और वह घुसपैठियों के भरोसे चुनाव जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का पूरा समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से

विकास कर रहा है। शाह ने कहा मोदी सरकार ने हर समय दिल्ली के कल्याण के लिए काम किया, लेकिन आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं को दिल्ली में लागू नहीं किया। दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लगातार कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत योजना लागू करके दिल्ली वालों को बड़ा उपहार दिया। शाह ने कहा कि दिल्ली के कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के लिए दिल्ली सरकार लगातार काम किया जा रहा है और धीरे-धीरे यह पहाड़ हटा रहे हैं। कूड़े से बिजली बनाकर सरकार बिजली की जरूरत पूरा कर रही है और कूड़े के पहाड़ को खत्म कर रही है। उन्होंने दिल्लीवालों से जीएसटी सुधारों के बाद दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी करने का आह्वान किया।